दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 200/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 1 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

किसान महिला सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार और सांस्कृतिक विरासतों के उन्नयन व विकास के साथ खेलो का बढ़ावा देने और अधोसंरचना विकास पर जोर दिया है। मध्यप्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा विधानसभा में बजट पेश किया। खास बात यह है कि मप्र में पहली बार ई-बजट (पेपरलेस) बजट आया है। विपक्ष के हंगामे के बीच वित्त मंत्री इसे टैबलेट पर पढ़ रहे हैं। मंत्रियों और विधायकों को भी टैबलेट दिए गए हैं, जिसमें भाषण और पूरा बजट है। यह शिवराज सरकार के चौथे कार्यकाल का अंतिम बजट है।

मप्र बजट 2023: 1 लाख नौकरियां, 12वीं की टॉपर छात्राओं को मिलेगी ई-स्कूटी

जनता पर नया कर नहीं

फ्लाइट से तीर्थ दर्शन कराएगी प्रदेश सरकार

भोपाल में बनेगा ग्लोबल स्कील पार्क, सलकनपुर में श्रीदेवी लोक, चित्रकूट में वनवासी रामराजा लोक का होगा निर्माण, रविदास और ओरछा में रामराजा मंदिर का विकास, लाडली बहना योजना के लिए 8000 करोड़

भोपाल। प्रदेश में इस वर्ष के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसके मद्देनजर बजट सत्र में बजट को लेकर सबकी निगाहें वित्त मंत्री के बजट भाषण पर टिकी थीं। चुनावी साल में राज्य सरकार ने बजट राशि में बढ़ोत्तरी करते हुए 3 लाख 14 हजार 23 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया। प्रदेश के बजट में वित्त मंत्री ने आमजनता को राहत देते हुए कोई भी नया कर नहीं लगाया है। वहीं किसान महिला सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार और सांस्कृतिक विरासतों के उन्नयन व विकास के साथ खेलो का बढ़ावा देने और अधोसंरचना विकास पर जोर दिया है। मध्यप्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा विधानसभा में बजट पेश कर रहे हैं। खास बात यह है कि मप्र में पहली बार ई-बजट (पेपरलेस) बजट आया है। विपक्ष के हंगामे के बीच वित्त मंत्री इसे टैबलेट पर पढ़ रहे हैं। मंत्रियों और विधायकों को भी टैबलेट दिए गए हैं, जिसमें भाषण और पूरा बजट है। यह शिवराज सरकार के चौथे कार्यकाल का अंतिम बजट है। ये बजट लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपए का है। वित्त मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता पर कोई नया कर नहीं होगा। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट भाषण से पहले महाकाल का आह्वान किया। कहा- भारत मध्ये स्वयंभू ज्योतिर्लिंग यजामहे, हे पारब्रह्म शिव शंभू दयामहे..., जय श्री महाकाल, जय-जय श्री महाकाल। उन्होंने कहा- हमारी सरकार हर वर्ग को विकास की धारा में जोड़ने के प्रयास कर रही है। सरकार की विशेषता बताते हुए कहा- हिमगिरी सा श्वेत धवल जीवन, विश्वास अटल विंध्याचल सा...। वित्त मंत्री ने चाणक्य का सूत्र भी पढ़ा- %सुखस्य मूलं धर्मः। धर्मस्य मूलं अर्थः। अर्थस्य मूलं राज्यं। राज्यस्य मूलं इन्द्रियजयः। इसका अर्थ है- सुख का मूल है, धर्म। धर्म का मूल है, अर्थ। अर्थ का मूल है, राज्य। राज्य का मूल है, इन्द्रियों पर विजय।

"यह बजट मां, बेटी, बहनों के उत्थान का है। किसानों की आय बढ़ाने का है। सही मायने में जनता का बजट है। नई आशा और विश्वास जगाने वाला बजट है।"

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

"यह सत्यानाश का बजट है। झूठी सरकार का झूठा बजट है। चुनावी घोषणा, गुमराह और कलाकारी का बजट है। पिछले साल 90 लाख युवा बेरोजगार थे, इस बार 1 करोड़ हैं।"

कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री

अमृत काल का सर्व हारा, सर्व स्पर्शी बजटः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे अद्भुत, अकल्पनीय बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्म भारत मिशन व मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का बजट है। गरीब कल्याण हमारा संकल्प है।

जब से भाजपा आई है, कमर तोड़ महंगाई है

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने विधानसभा परिसर में हंगामा किया।विधानसभा में कांग्रेस के कुछ विधायक गैस के सिलेंडर लेकर पहुंचे। पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस विधायक तरुण भनोत ने कहा कि रसोई गैस के दाम फिर बढ़ा दिए गए हैं। सरकार बजट में वैट की दर कम करके जनता को राहत देनी चाहिए। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें मुख्य द्वार पर रोक दिया। बजट सत्र हंगामें की भेंट चढ़ रहा है, विपक्ष द्वारा बजट सत्र के दौरान हंगामा किया जा रहा है, कुछ देर पहले ही कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा परिसर के बाहर गैस सिलेंडर के बढ़े दामों को लेकर प्रदर्शन

खेल विकास के लिए 738 करोड़

वित्त मंत्री ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में हमारे प्रदेश का योगदान 3.6 त्न से बढ़कर अब 4.8 त्न हो चुका है। वर्ष 2011-12 प्रति व्यक्ति आय 30 हजार 497 रुपये थी, अब 2022-23 में साढ़े तीन गुना तक बढ़कर 1 लाख 40 हजार 585 हो गई है ! उन्होंने कहा कि सरकार ने लाडली बहना योजना की सौगात दी है। सभी सदस्यों ने मेज थपथपाते इसका स्वागत किया। इस योजना के लिए बैंक खाते में 1000 रुपये प्रति माह की राशि जमा की जाएगी। आठ हजार करोड़ रुपए लाडली बहना योजना के लिए किया गया। शिक्षा के लिए बीते वित्तीय वर्ष के मुकाबले 8000 करोड़ रुपए ज्यादा का प्रविधान किया गया है। खेल विभाग के लिए 738 करोड का बजट आगामी वित्त वर्ष के लिए किया जाएगा। 12वीं तक की पढ़ाई की सुविधा एक ही परिसर में रहे। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। महिला स्व सहायता समूह के लिए 660 करोड़ का प्रविधान। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 3200 करोड़ का प्रविधान।

वित्त मंत्री के बजट भाषण की खास बातें ...किसे-क्या मिला

- एमबीबीएस सीट 2 हजार 55 से बढ़ाकर 3 हजार 605 की जाएंगी। पोस्टग्रेजुएट कोर्स के लिए 649 सीट्स बढ़कर 915 होंगी।
- नर्सिंग कॉलेज योजना से मेडिकल कॉलेजिस में 810 बीएससी नर्सिंग, 300 पोस्ट बेसिक नर्सिंग की एक्स्ट्रा सीट्स होंगी।
- नवीन मुख्यमंत्री बालिका स्कूटी योजना के तहत 12वीं क्लास फर्स्ट डिविजन से पास करने वाली छात्राओं को ई-स्कूटी दी जाएगी।
- बकायादार किसानों के सरकारी संस्थानों से लिए गए कर्ज का ब्याज सरकार भरेगी।
- इंदौर और भोपाल में मेट्रो रेल के लिए 710 करोड़ रु. का बजट।
- लाडली लक्ष्मी योजना के लिए 929 करोड़ रु., महिला स्व सहायता समूहों के लिए 660 करोड़ रु. देंगे।
- नारी कल्याण के लिए 1.2 लाख 976 करोड़ रु., लाडली बहना योजना के लिए 8 हजार करोड़ रु.। %लाडली बहना% के तहत महिलाओं को 1 हजार रु./महीना दिया जाएगा।
- आहार अनुदान योजना अनुदान के लिए 300 करोड़ रु. प्रस्तावित। इसके तहत बैगा, भारिया, सहरिया जनतीय महिलाओं को 1 हजार रु./महीना दिया जाएगा।
- युवाओं को स्वावलंबी बनाना सरकार की योजना है। इसके तहत 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएंगी।
- खेल विभाग का बजट बढ़ाया। खेलों के विकास के लिए 738 करोड़ रु.।
- सीएम सनराइज स्कूलों के लिए 3 हजार 230 करोड़ रु. का बजट।
- सलकनपुर में श्रीदेवी महालोक, सागर में संत रविदास स्मारक, ओरछा में रामराजा लोक, चित्रकूट में दिव्य वनवासी राम लोक को डेवलप किया जाएगा। इसके लिए 358 करोड़ रु. का बजट है।
- नगरीय निकायों को 842 करोड़ रु., नगरीय विकास के लिए 14 हजार 82 करोड़ रु., स्थानीय निकायों को 3 हजार 83 करोड़ रु.।
- भोपाल में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क बनेगा। इसमें हर साल 6 हजार लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में भी स्किल सेंटर शुरू किए जाएंगे।
- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुद्रा योजना एवं अन्य स्वरोजगार योजनाओं में 46.58 लाख से अधिक आवेदकों को 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया। 200 युवाओं को जापान भेजा जाएगा।
- कुल व्यय के लिए 2022-23 का बजट अनुमान 2 लाख 47 हजार 715 करोड़ रु. है। इसे 33 हजार 839 करोड़ बढ़ाकर 2023-24 के लिए 2 लाख 81 हजार 554 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।
- देश के सकल घरेलू उत्पाद में हमारे प्रदेश का योगदान 3.6 त्न से बढ़कर अब 4.8 त्न हो चुका है।
- 2011-12 में प्रति व्यक्ति आय 30 हजार 497 रु. थी, अब 2022-23 में साढ़े तीन गुना तक बढ़कर 1 लाख 40 हजार 585 रु. हो गई है।

ग्वालियर, जबलपुर, सागर, रीवा में खुलेंगे स्किल सेंटर

ग्लोबल स्किल पार्क में प्रतिवर्ष 6 हजार प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। ग्वालियर, जबलपुर, सागर व रीवा में भी स्किल सेंटर प्रारंभ होंगे। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी अल्पसंख्यक, विमुक्त, घुमंतू व अर्द्ध-घुमंतू वर्ग के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 252 करोड़ रुपये का प्रविधान है। महिला स्वसहायता समूहों के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना के अंतर्गत 660 करोड़ रुपये का प्रविधान प्रस्तावित है।

मेधावी छात्राओं को स्कूटी, सीएम राइज स्कूलों के लिए 3220 करोड़

वित्त मंत्री ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विगत वर्षों में 17000 शिक्षक की भर्ती की गई। शिक्षा के लिए बीते वित्तीय वर्ष के मुकाबले 8000 करोड़ रुपए ज्यादा का प्रविधान किया गया है। मध्यप्रदेश में शुरू होगी मुख्यमंत्री बालिका स्कूटी योजना। प्रदेश के लगभग 5 हजार विद्यार्थियों में कक्षा 12वीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को मिलेगी स्कूटी। सीएम राइज स्कूलों के लिए 3230 करोड़ रू का प्रावधान।

1550 एमबीबीएस की सीटें बढेंगी

मध्यप्रदेश के 25 चिकित्सा महाविद्यालयों को क्रियाशील बनाने के लिए 400 करोड़ रू का प्रावधान। एमबीबीएस की सीटें 2055 से बढ़ाकर 3605 की जाएंगी। चिकित्सा के पोस्टग्रेजुएट कोर्स के लिए 649 सीटों से बढ़ाकर 915 सीटें की जाएंगी। डिफाल्टर किसानों के सरकारी संस्थानों से लिए गए कर्ज का ब्याज सरकार भरेगी।बच्चों बुजुर्गों के कल्याण के लिए सरकार 1000 करोड़ का बांड जारी करेगी। इंदौर भोपाल में मेट्रो रेल के लिए 710 करोड़ का प्रविधान। धार्मिक स्थलों के विकास के लिए 358 करोड़ का प्रविधान किया गया। आगामी वित्तीय वर्ष में तीर्थ यात्रियों को वायुयान से भी यात्रा कराया जाना प्रस्तावित है।

प्राकृतिक खेती को देंगे बढ़ावा

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि निजी विकास कर्ताओं द्वारा ईडब्ल्यूएस के पक्ष में निष्पादित विक्रय लेखों पर शुल्क 5त्न से घटाकर शून्य किया इससे प्रतिवर्ष साढ़े तीन हजार ईडब्ल्यूएस हितग्राहियों को 9 करोड़ रुपए की राहत मिलेगी। विकास अनुज्ञा के एवज में विकास करता द्वारा स्थानीय निकायों के पक्ष में भूखंड बंधक रखे जाने पर निष्पादित बंधक विलेज प्रदेश स्टांप शुल्क को हटाया गया। विकासकर्ता को विक्रय का अधिकार देने वाले विकास अनुबंध पर देय शुल्क 2.5त्न से घटाकर 1.5त्न किया गया। बजट में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्राविधान किया गया है।

उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी अतीक अहमद पर कार्रवाई

प्रयागराज में किराए वाले घर को बुलडोजर से गिराया

प्रयागराज। यूपी सरकार ने उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार सुबह माफिया अतीक अहमद के करीबी जफर अहमद के धूमनगंज थाना क्षेत्र के चकिया मोहल्ले के घर को बुलडोजर से गिराया जा रहा है। इसी घर में अतीक का परिवार किराए पर रहता था। जफर के घर से तलवार, पिस्टल और राइफल भी मिली है। जफर के दो मंजिला मकान को प्रयागराज विकास प्राधिकरण की टीम गिरा रही है। दो मंजिला घर की मार्केट वैल्यू करीब 3 करोड़ बताई जा रही है। अतीक का मकान जब जब्त किया गया था तो जफर ने ही उसके परिवार को पनाह दी थी। जफर अतीक का खास गुर्गा है। दोनों बिजनेस पार्टनर भी हैं। हाल ही में उमेश पाल ने जफर पर भी केस दर्ज कराया था।

अतीक की पत्नी के मायके के सामने है यह घर

अतीक अहमद के वकील खान सौलत हनीफ ने कहा, %आज जो मकान चकिया में 297/205 ध्वस्त किया जा रहा है वो बेनामी संपत्ति नही है। ये मकान जफर अहमद खान का है। जफर मूलतः बांदा का रहने वाला है। इस मकान को 7 जनवरी 2021 को जफर के पिता ने अपने धन से खरीदा था।

घरेलु गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हुआ तो कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 350 का इजाफा

नई दिल्ली। आज यानी 1 मार्च से 3 बड़े बदलाव हुए हैं। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू स्नक्कत्र सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ गए है। दिल्ली में इसकी कीमत 1103 रुपए हो गई है। इससे पहले 6 जुलाई 2022 को दामों में बदलाव किया गया था। तब भी कीमतें 50 रुपए बढ़ाई गई थी।

वहीं, 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 350.50 रुपए का इजाफा किया गया है। दिल्ली में ये अब 2119.50 रुपए का मिल रहा है। इस साल कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। 1 जनवरी को कीमतों में 25 रुपए का इजाफा किया गया था।

वहीं अब काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा की आरती के लिए अब आपको पहले से ज्यादा रुपए चुकाने होंगे। इसके अलावा आज से दिल्ली के सरकारी स्कूलों में एडमिशन प्रोसेस शुरू हो गई है। हम आपको आज से हुए ऐसे बदलावों के बारे में बता रहे हैं जिनका असर आप पर भी होगा।

सिसोदिया-जैन की जगह लेंगे आतिशी और सौरभ भारद्वाज

केजरीवाल ने दोनों के नाम एलली के पास भेजे, पार्टी ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार के मामले में इस्तीफा दे चुके दिल्ली के पूर्व डिप्टी ष्टरूमनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की जगह केजरीवाल कैबिनेट मे दो नाम तय हो चुके हैं। दिल्ली के ष्टरू अरविंद केजरीवाल ने आतिशी मारलेना और सौरभ भारद्वाज का नाम स्नत्र के पास मंजूरी के लिए भेजा है। फिलहाल सिसोदिया और जैन के विभाग की जिम्मेदारी कैलाश गहलोत और राजकुमार आनंद के पास है।

इससे पहले सौरभ भारद्वाज केजरीवाल की 49 दिन की पहली सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री रह चुके हैं। आतिशी मार्लेना एजुकेशन सेक्टर में सिसोदिया की सलाहकार रही हैं।

दरअसल, भ्रष्टाचार मामले में रविवार को मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई थी। सोमवार को स्पेशल कोर्ट ने उन्हें ष्ठक्चढ्ढ की रिमांड पर भेज दिया। इसके बाद सिसोदिया मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। इसके कुछ देर बाद ही उनका इस्तीफा आ गया। इधर, अरविंद केजरीवाल ने आज शाम 4 बजे पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई है।

आरएलजी ने भोपाल में चलाया 'क्लीन टू ग्रीन' अभियान

भोपाल। आरएलजी सिस्टम्स इंडिया ने अपने प्रमुख अभियान 'क्लीन टू ग्रीन' के तहत भोपाल के गतिमान वेलटेन सोसायटी, अनौपचारिक आई पेपर डिपो, कपडा दुकान , सब्री बागवानी आदि स्थानों पर जागरुकता अभियान चलाया। जिसके तहत ई-वेस्ट के निस्तारण को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के तहत 'ई-व्यर्थ के सुरक्षित संग्रहण एवं निपटान को लेकर जागरूक किया गया। रिवर्स लॉजिस्टिक्स ग्रुप की कंपनी आरएलजी ने जागरूकता एवं संग्रहण प्रोग्राम के द्वारा वित्तीय वर्ष 22-23 के लिए कंपनी की जागरुकता एवं संग्रहण रणनीति की घोषणा की है । विद्युत एवं सूचना प्रोद्यौगिकी मंत्रालय तथा डिजिटल भारत के तत्वावधान में बड़ी संख्या में लोगों जैसे शैक्षणिक संस्थानों, निगमों, थोक उपभोक्ताओं, खुदरा विक्रेताओं, रेज़ीडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशनों, डीलरों और अनौचारिक सेक्टर तक पहुंचना हमारा उद्देश्य है।यह अभियान 'ई-व्यर्थ के सुरक्षित संग्रहण एवं निपटान ' के उद्देश्य के साथ अंतिम उपयोग कर्ताओं को जागरुक बनाएगा। इलेक्ट्रोनिक व्यर्थ (ई-व्यर्थ) में आमतौर पर बेकार हो चुके सर्वर, कम्प्यूटर मॉनिटर, मदरबोर्ड, प्रिंटर, मोबाइल फोन एवं चार्जर, कॉम्पैक्ट डिस्क, हैडफोन, टेलीविज़न सेट, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, रेफ्रीजरेटर आदि शामिल होते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी एस23 सीरीज भारत में बिकना शुरू

गुरुग्राम। सैमसंग की नयी फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज, गैलेक्सी एस23की बिक्री24 फरवरी, 2023 शुरू हो गई है। गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस 23+ और गैलेक्सी एस23 डिवाइसेज ने पूरी एक पीढ़ी को पीछे छोड़ते हुए सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन प्रस्तुत किए है, जिनका पर्यावरण पर प्रभाव भी बहुत कम है।गैलेक्सी एस23 सीरीज़ खरीदने के इच्छुक ग्राहक सैमसंग.कॉम और चुनिंदा रिटेल आउटलेट्स से यह स्मार्टफोन आज सेखरीद सकते हैं। गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा में एडेप्टिव पिक्सल के साथ आल - न्यू 200 मेगापिक्सल का सेंसर है जो, बेहतरीन डिटेल्स के साथ इमेज कैप्चर करता है। सुपर क्वाड पिक्सल एएफ के साथ रियर कैमरा लक्ष्य पर 50त्न ज़्यादा तेज़ी से फोकस करता है। गैलेक्सी एस23 सीरीज के फ्रंट कैमरा में ड्यूल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नोलॉजी के साथ नाईटोग्राफी फीचर दिया गया है, जो कम रोशनी में भी फ्रंट कैमरा से बेहतरीन इमेज प्राप्त करने में मदद करता है। ड्यूल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नोलॉजी फ्रंट कैमरा से 60 प्रतिशत ज़्यादा तेज़ फोकस प्रदान करती है।

जेटसिंथेसिस के ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन ने पेश किया महामृत्युंजय मंत्र

मुंबई, एजेंसी। पद्मश्री सोनू निगम के आई बिलीव म्यूजिक के साथ ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन - जेटसिंथेसिस की डिजिटल मनोरंजन शाखा ने महामृत्युंजय मंत्र के लिए संगीत वीडियो लॉन्च किया। इस महामृत्युंजय मंत्र के द्वारा दर्शकों को वीडियो में गतिशील दृश्यों के साथ सोनू निगम द्वारा किए गए इस महान शक्तिशाली मंत्रोच्चारण में डूबने का मौका मिलेगा। महामृत्युंजय मंत्र एक मोक्ष मंत्र माना जाता है जो अमरता और दीर्घायु प्रदान करता है, ऐसा माना जाता है कि महामृत्युंजय मंत्र का मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक और गहरा प्रभाव पड़ता है।महामृत्युंजय मंत्र की इस म्यूजिक वीडियो के बारे में बात करते हुए, सोनू निगम कहते हैं, बाजार में कई महामृत्युंजय मंत्र पाठ हैं, लेकिन मैंने अभी तक इसका पूर्ण संस्करण नहीं सुना है।

मैरिंगो एशिया हेल्थकेयर ने प्रतीक्षा हॉस्पिटल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

गुरुग्राम, एजेंसी। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने गुरुग्राम में 250-बेड वाले हॉस्पिटल फैसिलिटी डब्ल्यू प्रतीक्षा हॉस्पिटल की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर दिल्ली एनसीआर में अपनी पहुंच का विस्तार किया है। मैरिंगो एशिया हेल्थकेयर मान्यता प्राप्त, नैदानिक रूप से मजबूत अस्पतालों का अधिग्रहण या उनके साथ साझेदारी करती है और उसका परिचालन करने के लिए मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ब्रांड के तहत एकीकृत किया जाता है। यह अस्पताल श्रृंखला टर्शरी और क्वाटर्नरी केयर प्रदान करने, मेडिकल स्पेशियलिटीज़ में उत्कृष्टता केंद्र बनाने और रोगी पहले दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित करती है। डब्ल्यू प्रतीक्षा हॉस्पिटल एक मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल है, जो गुरुग्राम के सेक्टर 56 में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर प्राइम लोकेशन पर स्थित है। यह अस्पताल एनएबीएच मान्यताप्राप्त है और स्थानीय आबादी की जरूरतों को पूरा करने के अलावा अंतरराष्ट्रीय रोगियों को भी आकर्षित करता है।

सोलिस ट्रैक्टर्स एंड एग्रीकल्चरल मशीनरी ने केजी का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत का नंबर 1 ट्रैक्टर निर्यात ब्रांड, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने हमेशा बाज़ार की बदलती आवश्यकताओं पर पैनी नज़र रखी है और कृषि तकनीकों में भी लगातार नवीनीकरण लाता रहा है 7 यूरोप के नेदरलॅड्स में स्तिथ आईटीएल की प्रमुख कंपनी सोलिस ट्रैक्टर्स एंड एग्रीकल्चरल मशीनरी ने व्हील लोडर विशेषज्ञ थालेर जीएमबीएच एंड कंपनी केजी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है, जो पोलिंग, जर्मनी मे स्थित है। वित्त वर्ष23 मे अपनी सर्वोच्च विरासत और विस्तार अभियान को आगे बढ़ाते हुए, सोलिस द्वारा इस अधिग्रहण में रुपए 200 करोड़ का धन निवेश होगा और आईटीएल अपने उन्नत पोर्टफोलियो में उच्च गुणवत्ता वाले 19-75 एच.पी श्रेणी व्हील लोडर के साथ विस्तार करेगा।

निगमायुक्त चौधरी ने किया राजस्व वसूली शिविरों का निरीक्षण

भोपाल। नगर निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने शहर के अनेक वार्ड क्षेत्रों में आयोजित राजस्व वसूली शिविरों का निरीक्षण किया और बकायेदारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। श्री चौधरी ने बड़े बकायेदारों की सूची का अवलोकन भी किया और जोन के अमले को साथ लेकर स्वयं बकायेदारों के घर पहुंचे और उन्हें करों का भुगतान करने हेतु समझाइश दी। ऋषि नगर में निगम आयुक्त चौधरी ने बकायेदारों को कर जमा करने हेतु समझाइश दी तथा स्वयं पी ओ एस मशीन से रसीद काटकर टैक्स जमा करवाया। श्री चौधरी ने वार्ड क्रमांक 80, वार्ड क्रमांक 46, वार्ड क्रमांक 26 में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री चंद्र प्रताप गोहल एवं संबंधित जोनल अधिकारी व निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। नगर निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी मंगलवार को कोलार क्षेत्र स्थित वार्ड क्रमांक 80 के अंतर्गत अमरनाथ कॉलोनी में पहुंचे और जोनल अधिकारी तथा वार्ड के कर्मचारियों से बकायेदारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। श्री चौधरी ने वर्तमान एवं पूर्व के बकायेदारों की लिस्ट का अवलोकन भी किया। श्री चौधरी जोन के अमले के साथ बकायेदारों के घर पहुंचे और उन्हें निगम को देय करों के भुगतान हेतु समझाइश दी। बकायेदार के परिवार के सदस्य द्वारा शिविर में आकर कर जमा करने में असमर्थता व्यक्त करने पर श्री चौधरी ने ऑनलाइन भुगतान करने हेतु बकायेदारों को समझाइश दी। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्देश दिए कि बार-बार नोटिस देने के बाद भी जो बकायेदार करों का भुगतान नहीं कर रहे हैं या संपत्ति के स्वामी नहीं मिल रहे, ऐसी संपत्तियों को निगम आधिपत्य में लेना सुनिश्चित करें। निगमायुक्त चौधरी ने निर्देश दिए कि टीम बनाकर काम करें और 1 दिन में कम से कम 50 नोटिस तमिल कराना सुनिश्चित करें। जिन संपत्तियों के करो के निर्धारण में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त हुई हैं उनकी नस्तियां शीघ्र प्रस्तुत करें। निगमायुक्त चौधरी वार्ड क्रमांक 46 अंतर्गत ऋषि नगर बस्ती में पहुंचे और बकायेदारों को कर जमा करने हेतु समझाइश दी तथा स्वयं पीओएस मशीन से रसीद काटकर 2 बकायेदारों का कर जमा कराया। निगम आयुक्त श्री चौधरी वार्ड क्रमांक 26 के वार्ड कार्यालय पहुंचे और कर्मचारियों से बकायेदारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और प्रतिदिन 50 नोटिस तमिल कराने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने बकायेदारों के मोबाइल नंबर भी अपडेट करने के निर्देश कर्मचारियों को दिए।

विकास यात्रा के समापन पर आमसभा में हजारों लोग हुए उपस्थित

संत हिरदाराम नगर। उत्तर विधानसभा की विकास यात्रा का समापन भाजपा गुरुनानक मंडल के वार्ड न 10 में हजारों की संख्या की उपस्थिति में आमसभा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आलोक शर्मा ने आमसभा को संबोधित करते हुए कहा विकास यात्रा का उद्देश्य पिछले कार्यों की उपलब्धि जनता तक पहुंचाना और अधूरे कार्य को पूरा करना है इस अवसर पर भाजपा जिला भोपाल के संगठन प्रभारी महेंद्र यादव ने कहा केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर बीडीए के अध्यक्ष कृष्णमोहन सोनी ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों के जीवन स्तर में सुधार लाकर मिल का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम में पार्षद सरोज आसेरी, मनोज राठौर, पूर्व पार्षद महेश मकवाना, देवेन्द्र भार्गव, हरिओम आसेरी, शैलेश साहू, राजू कुशवाह, नरेंद्र ठाकुर, भगवान दास ढालिया, विष्णु राजपूत, यतीन मकवाना सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शतरूपा किशोर रूढ़ियों को तोड़ते हुए आगे बढ़ रही हैं

नई दिल्ली। घर और ऑफिस में विभिन्न काम और विविध एजेंडे संभालते हुए महिलाएं कई दायित्व निभाती हैं। मां, पत्नी, बेटियों और मजबूत लीडर्स के रूप में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में महिलाएं समाज में बदलाव ला रही हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को सफल होने और अपना करियर बनाने के लिए कई बाधाओं को पार करना पड़ता है। सभी के लिए एक समावेशी और न्यायसंगत कार्यस्थल बनाने के लिए एमेज़ॉन इंडिया लगातार काम कर रहा है । इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम, साथ अमेजन इंडिया के सेल्स अमेजन अभियान के दूसरे संस्करण में उन महिलाओं को हाइलाइट किया गया है जो प्रेरित, नेतृत्व और इनोवेट करती हैं। यह एमेज़ॉन इंडिया में रियल एस्टेट और ऑप्स इंजीनियरिंग टीम के वरिष्ठ प्रबंधक-प्रोजेक्ट शतरूपा किशोर की कहानी है, जिन्होंने पुरुष-प्रधान क्षेत्र में अपनी धाक जमाई है। उन्होंने 2016 में भारत के उत्तरी क्षेत्र में एमेज़ॉन के लिए निर्माण परियोजनाओं के प्रमुख के रूप में अपना करियर शुरू किया। 2020 में, उन्होंने पैन-इंडिया के लिए लीडिंग प्रीकॉन और मैकेनिकल इलेक्ट्रिकल एंड प्लंबिंग डिज़ाइन की भूमिका निभाई और काम करने और रिसर्च करने के तरीकों को लाने औरअन्य भौगोलिक क्षेत्रों के साथ रणनीतिक संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एम.पी. ट्रांस्कों ने ऊर्जीकृत किया 63 एम.व्ही.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर

भोपाल एम.पी. ट्रांस्कों ने 132 के.व्ही. सबस्टेशन बैतूल में नया 63 एम.व्ही.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर बैतूल जिले की पारेषण क्षमता को मजबूती और फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान की है। एम.पी. ट्रांस्कों (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के 132 के.व्ही. सबस्टेशन बैतूल में इस ट्रांसफार्मर की स्थापना से सबस्टेशन की क्षमता बढ़कर 103 एम.व्ही.ए. की हो गई है। एम.पी. ट्रांस्कों बैतूल के कार्यपालन अभियंता विजय कुमार देवानी ने बताया कि क्षेत्र में कृषि, घरेलू के साथ औद्योगिक इकाइयों के लिये बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुये एम.पी. ट्रांस्कों ने पारेषण सिस्टम की ट्रांसफार्मेशन क्षमता में वृद्धि करने के लिये यह ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सतत् विद्युत आपूर्ति हो सकेगी।

बैतूल में 33 के.व्ही. के 7 फीडरों से होती है विद्युत सप्लाई: 132 के.व्ही. सबस्टेशन बैतूल से 33 के.व्ही. के 7 फीडरों से विद्युत आपूर्ति होती है। इसमें 3 शहरी, एक औद्योगिक और 3 ग्रामीण क्षेत्र के फीडर हैं। इस सबस्टेशन में बैतूल शहर, पाढर, हिवरखेड, भादुस, टिकारी, सुहागपुर, हमलापुर तथा औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत सप्लाई होती है।

एम.पी. ट्रांस्को के 09 सबस्टेशनों से होता है विद्युत पारेषण: बैतूल जिले में एम.पी. ट्रांस्कों अपने 220 के.व्ही. के दो तथा 132 के.व्ही. के 7 सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। बैतूल, गुदगांव तथा सारणी में 220 के.व्ही. के सबस्टेशन हैं, जबकि बैतूल, आमला, त्रिचोली, गुदगांव, मुलताई एवं विसनूर में 132 के.व्ही. के सबस्टेशन हैं। बैतूल जिले की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 1462 एम.व्ह.ए. हो गई है। इसमें 220 के.व्ही. की 740 तथा 132 के.व्ही. की 722 एम.व्ही.ए. स्थापित क्षमता शामिल है।

पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी का 18 हजार 551 करोड़ रूपये का बजट पारित

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी का वर्ष 2023-24 का बजट मंगलवार को संचालक मंडल की बैठक में प्रस्तुत किया गया। आगामी वित्तीय वर्ष के कुल 18 हजार 551 करोड़ रूपये के बजट की मंजूरी दी गई है। संचालक मंडल की बैठक में ऊर्जा सचिव रघुराज एम.आर और उप सचिव ऊर्जा विभाग वीके गौड़ भोपाल से वर्चुअली जुड़े। बैठक मप्रपक्षेविविकं के प्रबंध निदेशक अमित तोमर, संचालक आईआईटी इंदौर से डॉ. अरूणा तिवारी, आईआईएम इंदौर के डॉ. प्रशांत सालवन, एसजीएस आईटीएस के डॉ. राकेश सक्सेना आदि की मौजूदगी में हुई। पुराने कमर्शियल वाहनों की बजाए नए प्रावधानों के अनुसार नए वाहनों के लिए और उपभोक्ता सेवाओं को बढ़ाने के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया

सिन्धु नव जागरण समिति के पारदासानी अध्यक्ष, चोटरानी महासचिव नियुक्तं

संत हिरदाराम नगर। संत नगर की सामाजिक संस्था सिन्धु नव जागरण समिति के वर्ष 2023, 2025 के पदाधिकारियों की घोषणा समिति के संविधानुसार समिति संरक्षक माधू चांदवानी, आसनदास वाधवानी व निहालचंद छुगानी ने की। जिसमें अध्यक्ष रामकुमार पारदासानी, महासचिव नरेश कुमार चोटरानी, मुख्य सलाहाकार घनश्याम लालवानी को नियुक्त किया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष महेश खटवानी, मुरली गुरबानी, हरीश वलेचा, कोषाध्यक्ष हीरो आडवानी, सचिव दिलीप दीनानी, सहसचिव मनोहर सतानी, सामाजिक सचिव राम लेखवानी, सह कोषाध्यक्ष इन्द्र जनयानी, आडिटर अनिल टेकचंदानी, प्रवक्ता महेश दादलानी, सलाहाकार कमलेश छुगानी व कन्हैयालाल नागदेव को बनाया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रुप में दयाल सतानी, सीतल चेलानी, रमेश जनयानी, त्रिलोक दीपानी, डाक्टर वीरभान आडवाणी, भगवानदास चंदनानी, डा. हरिकिशन पेसवानी, नारायण लालवानी, राम श्रीचंदानी, रमेश हिमथानी, हरदास पेसवानी मनोनीत किए गए है। समिति के संरक्षक माधू चांदवानी ने बताया कि नियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकाल दो वर्ष का रहेगा। समिति द्वारा समाज क्षेत्र व धार्मिक क्षेत्र में सेवा कार्य करती है। समिति द्वारा सिंधी समाज का पावन पर्व चैतीचांद विगत 35 वर्षो से धूमधाम से मनाती आ रही है। इस वर्ष भी 25 मार्च को भव्य सांस्कृतिक संध्या व सिंधी मेले का आयोजन किया गया है।

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

संत हिरदाराम नगर । संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न अंतर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संध्या मोखले, वैज्ञानिक, मध्यप्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी सहित भोपाल के विभिन्न प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि हमारे देश में पहले से ही विज्ञान की अवधारणा मौजूद थी। विज्ञान सभी विषयों का आधार है। प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्थान है। डॉ. संध्या मोखले ने अपने उद्बोधन में महान भारतीय वैज्ञानिक और नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन की ओर से विज्ञान जगत को दिये गये रमन प्रभाव एवं उनकी उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने विभिन्न प्रदूषण अधिनियमों जैसे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, बैटरी अपशिष्ट अधिनियम, प्लास्टिक अपशिष्ट अधिनियम, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम के साथ ऑनलाइन डेटा, ई-गर्वनेंस, प्रयोगशाला आदि की जानकारियां देते हुए जीवंत उदाहरणो को भी सांझा किया। उन्होंने पॉलिथीन बैग के उपयोग न करने विशेष जोर देते हुए कहा कि जब तक जनता स्वयं जागृत नहीं होगी तब तक इस हेतु जन जागृति लाना संभव नहीं है। सभी देश में विज्ञान के विकास हेतु वैज्ञानिक सोच का प्रचार- प्रसार करें। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बायो रंगोली प्रतियोगिता, मिलेट वंडर प्रतियोगिता, मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता, डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं एवं प्रतियोगियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

शेयर इंडिया सिक्योरिटीज़ लिमिटेड ने राइट्स इश्यू की शर्तों को मंजूरी दी

नई दिल्ली। शेयर इंडिया सिक्योरिटीज़ लिमिटेड एक तकनीक आधारित वित्तीय समूह जो विलंबता-आधारित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में विशेषज्ञता रखता है, ने अपने राइट्स इश्यू की शर्तों को मंज़ूरी दे दी है। शेयर इंडिया सिक्योरिटीज़ लिमिटेड की राइट्स इश्यू कमेटी ने 10 रुपये प्रति अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर्स के राइट्स इश्यू की शर्तों को मंज़ूरी देने के साथ ही पात्र शेयरधारकों को राइट्स सिक्योरिटीज़ की मंज़ूरी दी, जिसकी कुल राशि 100,000 लाख रुपये से अधिक नहीं थी। राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 17 डिटैचेबल वारंट प्रति राइट्स इक्विटी शेयर के साथ 1 राइट्स इक्विटी शेयर पर तय किया गया है साथ ही प्रत्येक 50 पूरी तरह से पेड-अप इक्विटी शेयर्स के लिए योग्य इक्विटी शेयरधारकों द्वारा इन्हें रिकॉर्ड तिथि पर रखा गया है। प्रति अधिकार इक्विटी शेयर का निर्गम मूल्य 700 रुपये के अंकित मूल्य के प्रति 10 इक्विटी शेयर रखा गया है।

एयरटेल ने एआई-संचालित स्पीच एनालिटिक्स सलूशन का किया प्रयोग

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर भारती एयरटेल ने एक एआई-संचालित समाधान तैयार करने के लिए एनवीआईडीआईए के साथ साझेदारी की है जो एयरटेल के कांटेक्ट सेंटर्स पर आने वाली सभी कॉल्स के लिए ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएगा। इस समाधान का उद्देश्य एयरटेल के कांटेक्ट सेंटर्स से संपर्क करने वाले ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली सेवा की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना है।एयरटेल के कांटेक्ट सेंटर्स संचालन के मामले में 360 मिलियन से अधिक ग्राहकों और 100 मिलियन वार्षिक कॉल संख्या के साथ दुनिया में सबसे अधिक व्यस्त कांटेक्ट सेंटर्स में से एक हैं। संचालन के इतने बड़े पैमाने के बावजूद, ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव सुनिश्चित करना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कांग्रेस ने दिग्गी राजा के नाम में जितने अंग्रेजी अक्षर उतने केक काटे

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव दिग्विजय सिंह का जन्म दिन सेवा संकल्प तथा उल्लास के साथ मनाया गया। प्रदेश कांग्रेस सचिव ओम यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने श्यामला हिल्स स्थित दिग्विजय सिंह के बंगले पर दिग्गी राजा नाम में आने वाले अंग्रेजी अक्षरों के हिसाब से 8 केक लाइन में रखकर काटें। इस अवसर पर मुख्य रूप से पधारे पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे नेता दिग्विजय सिंह का लक्ष्य हर गरीब को उसका अधिकार मिले तथा उसे न्याय मिले हमें इस लक्ष्य की ओर बढ़कर गरीबों के हितों के लिए संघर्ष करना होगा। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लालघाटी क्षेत्र से ओम यादव के नेतृत्व में एक वाहन रैली निकाली जो जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंची और वहां से अन्य क्षेत्रों से आए रैलियों के साथ सभी कार्यकर्ता श्यामलाल इस बंगले पहुंचे थे।

हाईज एनर्जी ने लॉन्च किया ज़ीरो-एमिशन मोबिलिटी समाधान

भोपाल । क्लीन टेक्नोलॉजी इनोवेटर हाईज एनर्जी ने इसी माह भोपाल के थिंक गैस सीएनजी स्टेशन पर ज़ीरो-एमिशन मोबिलिटी समाधान का लॉन्च किया। यह मोबिलिटी समाधान हाईज ऐप पेश करता है, जिसे स्मार्टफोन पर डाउनलोड किया जा सकता है। हाईज के लॉन्च के साथ उपभोक्ता थिंक गैस ब्राण्डेड सीएनजी स्टेशनों पर अपने वाहनों में सीएनजी फिलिंग का बेहतर अनुभव पा सकेंगे, उन्हें सीएनजी भरवाने के लिए घण्टों लाईन में लगकर इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। इससे उपभोक्ताओं के लिए सेवाओं में सुधार होगा, साथ ही सीएनजी इकोसिस्टम भी बेहतर बनेगा।

वर्तमान में थिंक गैस रोज़ाना भोपाल शहर में 20,000 से अधिक वाहनों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। भोपाल में सीएनजी की बढ़ती मांग को देखते हुए हाईज जैसे ऐप उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने में मददगार होंगे। यह ऐप इस्तेमाल में बेहद आसान है, जिसकी मदद से ड्राइवर थिंक गैस सीएनजी स्टेशन पर सीएनजी फिलिंग का स्लॉट पहले से बुक कर सकते हैं। वे अपनी सुविधा और ज़रूरत के अनुसार सीएनजी फिलिंग की दिनांक, समय एवं लोकेशन बुक कर सकते हैं, साथ ही ऐप के ज़रिए सुरक्षित भुगतान भी कर सकते हैं। थिंक गैस सीएनजी स्टेशन ऑपरेटर ऐप पर बुकिंग्स को मैनेज करता है।

यह समधान हाईज एनर्जी के मोबाइल ऐप हाईज सीएनजी द्वारा फेसिलिटेट की गई है, जो यूज़र को 360 डिग्री अनुभव प्रदान करती है। इस समाधान को जल्द ही कार्बन ट्रेडिंग के साथ इंटीग्रेट करने से थिंक गैस के लिए राजस्व के नए अवसर उत्पन्न होंगे, और वे कई बिलियन डॉलर के कार्बन क्रेडिट बाज़ार का एक्सेस पा सकेंगे।

इस अवसर पर प्रतीक सक्सेना, सीईओ, हाईज एनर्जी ने कहा, "हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारे टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म के फायदे सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन चालकों तक ही सीमित नहीं हैं; यह प्लेटफॉर्म सीएनजी फिलिंग के लिए भी सफलतापूर्वक तैनात किया गया है। हमारे ज़ीरो-एमिशन मोबिलिटी समाधान नेक्स्ट जनरेशन टेक्नोलॉजी पर आधारित हैं, जिनके चलते उन्हें सीएनजी फिलिंग के लिए स्टेशन पर लम्बी कतारों में इंतज़ार नहीं करना पड़ता, साथ ही स्टेशन मालिक को भी इसके लिए अलग से कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ती।"

मुख्यमंत्री ने 5 मार्च के कार्यक्रम के लिए किया अधिकारियों से विमर्श

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के बारे में बहनों तक पहुँचे जानकारी

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 की जानकारी प्रदेश की सभी बहनों को प्राप्त हो, इसके लिए योजना के शुभारंभ के पूर्व ही आवश्यक वातावरण बनाया जाए। भोपाल में होने वाले गरिमामय शुभारंभ कार्यक्रम का प्रसारण पंचायत स्तर तक और शहरी क्षेत्रों में किया जाए, जिससे योजना की पूरी जानकारी बहनों को मिले और वे इसका लाभ उठाने के लिए जागरूक बनें। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी महिला सशक्तिकरण और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना पर केंद्रित हों। मुख्यमंत्री चौहान आज समत्व भवन के मंथन कक्ष में 5 मार्च को राजधानी में लांच की जा रही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के शुभारंभ कार्यक्रम के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार -विमर्श कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शुभारंभ कार्यक्रम में योजना की हकदार बहनों की बड़े पैमाने पर भागीदारी के साथ महिला शौर्या दल, स्व-सहायता समूह, जन अभियान परिषद से जुड़ी बहनें और महिला जन-प्रतिनिधि अवश्य शामिल हों।

योजना के संबंध में शिक्षित करने सार्वजनिक मंच पर प्रपत्र भरा जाएगा: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि योजना के लिए आवेदन प्रपत्र भरने की प्रक्रिया से बहनों को अवगत करवाने के लिए सार्वजनिक मंच पर प्रपत्र भरने का प्रदर्शन किया जाए। उपस्थित बहनों की शंकाओं का समाधान भी किया जाए। बहनों को यह बताते हुए कि प्रपत्र भरने की प्रक्रिया सरल है, उनका पूरा मार्गदर्शन किया जाए।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए चल रही व्यापक तैयारियाँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाली बहनों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की थीम पर एक गीत भी लाँच किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की जायेगी। योजना के ब्रोशर के विमोचन के साथ ही योजना के पोर्टल और एप का शुभारंभ भी होगा। महिला-बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, जनसम्पर्क और अन्य विभाग समन्वय के साथ राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए सक्रियता से जुटे हैं। कार्यक्रम स्थल जम्बूरी मैदान भोपाल में लगभग एक लाख बहनों की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए जरूरी तैयारियाँ की जा रही हैं।:

मुख्यमंत्री और स्पीकर से मिले पहली बार राजधानी आये जनजातीय वर्ग के बच्चे

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम से आज जनजातीय वर्ग के कई बच्चों ने मुलाकात की। पहली बार राजधानी पहुँचने वाले बच्चों ने विधायकों और मंत्रियों से भी भेंट की।इन बच्चों ने विधानसभा परिसर भी देखा। जनजातीय कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव जिला डिंडौरी के 70 विद्यार्थी जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह की पहल पर भोपाल आए। बच्चों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान और विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम से भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बच्चों से उनके शिक्षा के साथ ही अन्य विषयों पर भी बातचीत की। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ बच्चों ने समूह छायाचित्र भी खिंचवाया।

जनजातीय सी.एम. राइज विद्यालयों में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भोपाल (नप्र)। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के 95 सी.एम. राइज विद्यालयों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में यह दिवस मनाया जाता है। इस बार विज्ञान दिवस की थीम वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान रही। विद्यालयों में विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और विज्ञान के प्रति उनमें रूचि पैदा करने के उद्देश्य से विज्ञान दिवस पर अनेक गतिविधियाँ की गई। इससे विद्यार्थियों में विज्ञान एवं दैनिक जीवन में विज्ञान संबंधी अभिरूचि पैदा हुई। घर-घर विज्ञान, वैज्ञानिक सिद्धांत और हमारा ज्ञान तथा जादू नहीं विज्ञान जैसी थीम पर केन्द्रित अनेक कार्यक्रम विद्यालयों में किये गये। साथ ही विज्ञान पर आधारित पोस्टर मेकिंग, क्विज और शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की।

आज सरस्वती विद्या मंदिर एक गांव सेमरा कला में स्वावलंबी भारत अभियान के अन्तर्गत मातृशक्ति सम्मेलन कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम में विद्यालय के भैया बहिनों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम में स्वदेशी से स्वावलंबन के विषय पर और अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी और जिला रोजगार सृजन केंद्र और ऑनलाइन पोर्टल द्व4ह्यद्ब्रड्ड के बारे में बताया गया।

आज आकाशवाणी परिसर प्रसार भारती मे लायंस क्लब स्मार्ट सिटी द्वारा कैंसर जागरूकता और मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल भोपाल लॉयन कोऑर्डिनेटर एम जे एफ लायन नरेंद्र सिंह जग्गी द्वारा लायंस क्लब इंटरनेशनल के कामकाज उपलब्धियां और समाज सेवा में योगदान के बारे में जानकारी दी गई एवं कैरियर हॉस्पिटल की कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर रिचा तिवारी द्वारा अपने व्याख्यान में कैंसर के कारणों ,उनसे बचाव और उपचार पर विस्तार से उपस्थित लोगों को बताया गया इस अवसर पर आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख श्री विश्वास केलकर, उप महानिदेशक अभियांत्रिकी श्री यशवंत चिवड़े और आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम अधिकारी राजेश भट्ट सहित लायंस क्लब स्मार्ट सिटी के भूपेंद्र पटेल, इंद्रजीत सरन, महेश शर्मा, एल के बाटले सहित आकाशवाणी भोपाल के अधिकारीगण और कर्मचारी गण मौजूद थे उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन की उपयोगिता पर आयोजन कर्ताओं को धन्यवाद दिया

तेन्दूपत्ता शाखकर्तन कार्यशाला आयोजित हुई

धार । ज़िला पंचायत सीईओ श्री केएल मीणा की उपस्थिति में आज वाटनीकल गार्डन, देलमी धार में तेन्दूपत्ता शाखकर्तन कार्यशाला आयोजित की गई।वन मंडल अधिकारी श्री जी.डी.वरवड़े ने बताया किइस कार्यशाला में क्रेता-विक्रेता सम्मलेन भी साथ आयोजित हुआ। पेसा एक्ट नियम 2022 के तहत जिन ग्रामसभाओं द्वारा तेन्दूपत्ता क्रय करने हेतु प्रस्ताव पारित किये है,उनके द्वारा क्रय किया जाने वाला तेन्दूपत्ता कैसे विक्रय किया जावे, इस संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में क्रेता पक्ष की ओर से रॉयल एजेन्सी धार एवं श्रेय जैन इन्टरप्रायजेस के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला में उपस्थित ग्राम सभा के सदस्यों, तेन्दूपत्ता सहकारी समितियों के प्रबंधकों, नोडल अधिकारी को शाखकर्तन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यशाला में सीईओ श्री मीणा ने कहा कि तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य से हमारे वनवासी भाईयों को रोजगार मिलता है। वनों से प्राप्त होने वाली मुख्य गौण वनोपज तेन्दूपत्ता संग्रहण क्यों जरूरी है? वनों में रहने वाले वनवासी भाईयों के लिए जीविकोपर्जन का एक मुख्य साधन, जोकि वन से ही प्राप्त हो जाता है। इसके लिए शासन ने न?यूनतम समर्थन मूल?य 3000 रूपये प्रत मानके बोरा रखा गया है, जो मई के महीने मेंआजीविका को संभल प्रदाय करता है। धार जिले में कुल 23 ग्राम सभाओं द्वारा तेन्दूपत्ता संग्रहण हेतु प्रस्ताव पारित किये गये है। कार्यशाला में सभी लघुवनोपज समितियों के नोडल अधिकारी, पूरे जिले के सभी रेंज आफिसर एवं प्रबंधक, क्रेता प्रतिनिधि पेसा एक्ट अंतर्गत तेन्दूपत्ता विपणन करने वाली ग्राम सभाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खनिज का अवैध परिवहन / उत्खनन पर 7 वाहनों को जप्त कर पुलिस थानो की अभिरक्षा में खड़े किये

धार, । कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार खनि अधिकारी जे. एस. भिडे के नेतृत्व में खनि निरीक्षक जगनसिंह भिण्डे तथा संदेश पिपलोदिया एवं खनिज टीम द्वारा गत दिवस खनिज का अवैध परिवहन / उत्खनन पर कार्यवाही करते हुए 04 वाहनों को जप्त कर पुलिस थाना नौगांव की अभिरक्षा में खड़े किये गये है। इसी प्रकार खनिज टीम द्वारा पुलिस विभाग बाकानेर के सहयोग से मंगलवार को भ्रमण के दौरान ग्राम रतवा, उरदना, दग्गडपुरा से खनिज का अवैध उत्खनन / परिवहन पर कार्यवाही करते हुए 01 मशीन तथा 02 वाहनों को जप्त कर पुलिस थाना मनावर तथा चौकी बाकानेर की अभिरक्षा में खड़े किये गये है एवं सुनील पिता उंकार मुजाल्दे निवासी उरदना तहसील मनावर के विरूद्ध स्नद्धक्रपुलिस चौकी बाकानेर में दर्ज कराई गई है। उपरोक्त वाहनों के विरूद्ध म.प्र. खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियमो के तहत अर्थदण्ड की कार्यवाही की जा रही है।

बेतवा नदी, जिसका प्राचीन नाम वेत्रवती था

भारत के मप्र के रायसेन जीले के झिरी गॉव के पहाड़ी क्षेत्र से लगातार बह रही है

बेतवा नदी, जिसका प्राचीन नाम वेत्रवती था, भारत के मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में बहने वाली एक नदी है। यह यमुना नदी की उपनदी है। यह मध्य प्रदेश में रायसेन ज़िले के कुम्हारागाँव से निकलकर उत्तर-पूर्वी दिशा में बहती हुई भोपाल, विदिशा, झाँसी, ललितपुर आदि ज़िलों से होकर बहती है। कल से बेतवा बेसीन का गांव चार मंडली से अध्ययन तथा जागरण यात्रा शुरू से। इसका आयोजन ग्राम सेवा समिति के संस्थापक पुर्व इनकम टेक्स कमिशन राकेश कुमार पालिवाल विदिशा के डा सुरेश गर्ग भोपाल से वृक्ष मित्र सुनील दुवे ने किया है। इसमें उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश तथा गोवा कुमार कलानन्द मणी के नदी विशेषज्ञ, नदी प्रेमी झारख?ड से इनकम टेक्स कमिशनर संजय कुमार नैनिताल से बची सिंग बिस्ट ,उत्तर प्रदेश मुजफ्फर नगर गॉधी विचारक मास्टर विजय सिंह से शामिल हुए हैं। यह यात्रा 3 मार्च को समाप्त होगी।

उत्तर प्रदेश राज्यों में बहने वाली एक नदी है। यह यमुना नदी की उपनदी है। यह मध्य प्रदेश में रायसेन ज़िले के कुम्हारागाँव से निकलकर उत्तर-पूर्वी दिशा में बहती हुई भोपाल, विदिशा, झाँसी, ललितपुर आदि ज़िलों से होकर बहती है। कल से बेतवा बेसीन का गांव चार मंडली से अध्ययन तथा जागरण यात्रा शुरू से। इसका आयोजन ग्राम सेवा समिति, भोपाल ने किया है। इसमें उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश तथा गोवा के नदी विशेषज्ञ, नदी प्रेमी शामिल हुए हैं। यह यात्रा 3 मार्च को समाप्त होगी।

कल्पनाशीलता और रचनात्मकता के वातावरण में होंगे नए आविष्कार

भारत आध्यात्म के साथ विज्ञान का केंद्र भी रहा है: सखलेचा

भोपाल (नप्र)। विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा है कि भारत विश्व में आध्यात्म की राजधानी रही है और विज्ञान का सबसे सशक्त केंद्र भी रहा है। हमारे ऋषि वैज्ञानिकों ने महान खोजें की हैं, जिनके बारे में आधुनिक विज्ञान अभी तक पता लगा रहा है। आज हम मोबाईल के माध्यम से दूर एक दूसरे से बातें कर पाते हैं, लेकिन प्राचीन समय में एक कालखंड ऐसा भी रहा है, जब ऋषि-मुनि एक दूसरे के दिमाग की बातें पढ़ पाते थे, मॉर्डन भाषा में इसे टेलीपैथी कहते हैं। श्री सखलेचा मंगलवार को मेपकॉस्ट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में डॉ जेवी याखमी, पूर्व सह निदेशक, भौतिकी समूह, बार्क मुंबई शामिल थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने की।

मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि हम वापस एक ऐसा वातावरण तैयार कर रहे हैं, जहां कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो। विज्ञान की शुरुआत विचारों से होती है, जब तक दिमाग में विचार नहीं आएंगे, आप कोई रचना, कोई आविष्कार नहीं कर पाएंगे। विश्व विज्ञान दिवस पर ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेल बीइंग अर्थात वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान थीम पर पूरे प्रदेश में 120 से ज्यादा स्थानों पर मेपकास्ट के माध्यम से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रवीण रामदास एवं विज्ञान प्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डॉ. तिवारी, कुलपति, भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने कहा कि रमन प्रभाव एक ऐसी खोज है, जिसके 95 वर्ष होने के बाद भी आज भी हमारे जीवन में प्रासंगिक है एवं आगे और भी अधिक होती जाएगी। भारत आज फिर विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने सीवी रमन को नोबेल पुरस्कार मिलने की कहानी को बताते हुए कहा कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा नवंबर के माह में होना थी। लेकिन सीवी रमन अपने पुरस्कार को लेकर इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने मई में ही अपनी टिकट बुक करवा लीं थीं। प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय सचिव, विज्ञान भारती ने कहा कि अभी जी 20 के लिया पूरा देश तैयारी कर रहा है। ग्लोबल वेलबिइंग को हमारा देश पहले से निभाता आ रहा है, हम वो देश हैं जो सर्वे भवन्तु सुखिन की बात करता है। यहाँ तक कि हम सिर्फ लिविंग ही नहीं नॉन लिविंग थिंग्स के लिए भी सोचते हैं। यही वजह है कि हमारी संस्कृति में नदी और पेड़ो की भी पूजा होती है।

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. कोठारी ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विज्ञान का अहम योगदान रहेगा आज हम ड्रोन टेक्नोलॉजी की बात करते हैं, ये टेक्नोलॉजी हमारे जीवन को किस तरह बदल सकती है, कृषि में इससे क्या विकास हो सकता है, ये सब विज्ञान पर आधारित है। गर्व की बात है की हम भारत की कई संस्थाओं को मैप से संबंधित डाटा उपलब्ध करा रहे हैं। हाल में ही संपन्न हुआ भारत अंतर्राष्टीय विज्ञान महोत्सव भी हमने सीमित समय में सफलतापूर्वक सम्पन्न किया था, और इसका एक सकारात्मक फीडबैक भी हमे मिला है।

प्राथमिक शिक्षक अभ्यर्थी 6 मार्च तक कर सकेंगे शाला विकल्प का चयन

भोपाल । आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभय वर्मा ने बताया कि प्राथमिक शिक्षक पद हेतु जारी विज्ञापन 19 अक्टूबर 2022 के अनुक्रम में शाला विकल्प चयन हेतु अभ्यर्थियों की सूची जारी की जा रही है। चयनित अभ्यर्थी 1 से 6 मार्च तक शाला विकल्प का चयन कर सकते हैं। अभ्यर्थी को न्यूनतम 50 विकल्प का चयन करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी अधिक से अधिक शालाओं का चयन कर सकेंगे। श्री वर्मा ने बताया कि समयावधि में शाला का विकल्प चयन न करने अथवा संबंधित अभ्यर्थी को चयनित शालाएँ आवंटित न हो पाने की स्थिति में विभाग की प्राथमिकता के आधार पर आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध रिक्तियों में से शाला का आवंटन किया जाएगा।

समाचार पत्र दैनिक सांध्यप्रकाश भोपाल के स्वामित्व तथा अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिये)

1.	प्रकाशन स्थान	: भोपाल
2.	प्रकाशन अवधि	: सांध्य दैनिक
3.	मुद्रक का नाम	: भरत एस. पटेल
	नागरिकता	: भारतीय
	पता	: 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल
4..	प्रकाशक का नाम	: भरत एस. पटेल
	नागरिकता	: भारतीय
	पता	: 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल
5.	संपादक का नाम	: भरत एस. पटेल
	नागरिकता	: भारतीय
	पता	: 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	: भरत एस. पटेल : 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल

मैं, एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

दिनांक- 1 मार्च 2023 **प्रकाशक के हस्ताक्षर**

मंत्री डॉ. भदौरिया ने की विभागीय समीक्षा

भोपाल । सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने मंत्रालय में सहकारिता विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वयन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र में दौरा करें और योजनाओं के क्रियान्वयन की सतत निगरानी करें। समीक्षा बैठक में सहकारिता आयुक्त श्री आलोक कुमार सिंह, एमडी अपेक्स बैंक श्री पी.एस. तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सुहागी के अग्नि पीड़ित परिवारों को पक्के आवास बना कर देंगे : डॉ. शाह

भोपाल । वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने आज खण्डवा जिले के खालवा ब्लॉक की ग्राम पंचायत सुन्दरदेव के ग्राम सुहागी में अग्नि प्रभावित घरों का निरीक्षण कर प्रभावित परिवारों से भेंट कर उन्हें ढाँढस बंधाया। वन मंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में राज्य सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी है और हर संभव सहयोग करेगी। वन मंत्री ने कहा कि जिनके घर जल गये हैं उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में नये घर बना कर दिये जायेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि आवास निर्माण का काम 15 दिन में शुरू हो जाना चाहिए।

वन मंत्री डॉ. शाह ने तात्कालिक मदद के रूप में अपनी ओर से भोजन बनाने के बर्तन के लिये प्रत्येक प्रभावित परिवार को 5-5 हजार रूपये और 20 बल्ली एवं 50 बाँस निःशुल्क देने की घोषणा की। प्रभावित प्रत्येक परिवार को शासन की ओर से 2-2 गद्दे, रजाई, 25 किलो गेहूँ और 25 किलो चावल एवं कपड़े दिए गए हैं। वन मंत्री डॉ. शाह ने सभी पीड़ित परिवारों की तत्काल स्वास्थ्य जाँच, बच्चों की पढ़ाई एवं गाँव में बंद पानी की मोटर की बाईडिंग कराने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. शाह ने जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवारों को एक सप्ताह तक चाय, पानी, नाश्ता तथा दोनों समय का भोजन भी उपलब्ध करवाया जाये।

वन मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि विधानसभा के चलते मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुझे आपके आँसू पोछने के लिए भेजा है। इस दौरान सीसीएफ श्री आर.पी. राय और डीएफओ श्री देवांशु शेखर सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

चीख़ कि लब आज़ाद हैं तेरे

निर्मल रानी

वायु व जल प्रदूषण से पहुंचने वाले नुक़सान को लेकर जिस तरह हमारा भारतीय समाज अभी तक पूरी तरह सजग नहीं हो सका। जिसे देखिये जगह जगह धुंआ करते,कूड़ा करकट जलाते,पेड़ काटते जल की व्यर्थ बर्बादी करते दिखाई देता है उसी तरह शायद लोग ध्वनि प्रदूषण के चलते आम लोगों तथा वातावरण को पहुँचने वाले नुक़्सान से भी अनभिज्ञ हैं। ध्वनि प्रदूषण के लिये विशेषज्ञों द्वारा जिन चीज़ों को प्रमुखता से चिन्हित किया गया है उनमें हवाई जहाज़, रेल, ट्रक, बस तथा कार व बाइक जैसे निजी वाहन सार्वजनिक यातायात के अनेक साधन तथा इनके इंजन व हॉर्न से निकलने वाला अनियंत्रित शोर तो ध्वनि को प्रदूषितव करता ही है,इनके अतिरिक्त फ़ैक्टरियां , तेज़ ध्वनि में बजने वाले लाउडस्पीकर, निर्माण कार्य आदि भी ध्वनि प्रदूषण फैलाने के मुख्य कारक हैं। इनके अलावा विभिन्न त्योहारों या शादी ब्याह के अवसर पर चलाये जाने वाली ज़हरीली आतिशबाजी भी ध्वनि प्रदूषण बढ़ाने के साथ साथ वायु को भी प्रदूषित करती है। यह ध्वनि प्रदूषण शुगर और उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिये इतना नुक़सानदायक होता है कि इससे उनकी मौत तक हो सकती है। ध्वनि प्रदूषण से मनुष्य के कान के अन्दर मौजूद वे हियर -सेल्स जो श्रवण शक्ति को बढ़ाते हैं वो पूरी तरह सामाप्त भी हो सकते हैं नतीजतन कान से सुनाई देना बन्द हो सकता है। अनिद्रा की शिकायत शुरू हो जाती है। यही नहीं बल्कि अनियंत्रित ध्वनि से दिल की धड़कन भी कम हो जाती है और उच्च ब्लड प्रेशर भी हो सकता है। यहां तक कि बहुत अधिक शोरगुल मानव का खून भी गाढ़ा कर सकता है जिसके कारण हार्ट अटैक का ख़तरा भी बढ़ जाता है। बहुत तेज़ ध्वनि कान के पर्दों को हानि पहुँचा सकती है। ध्वनि प्रदूषण केवल मानव जाति के लिये ही नहीं बल्कि पशुओं के लिये भी बेहद ख़तरनाक होता है। अधिक ध्वनि प्रदूषण के कारण जानवरों के प्राकृतिक रहन-सहन में बाधा आती है। उनका खान-पान, आवागमन यहां तक कि उनकी प्रजनन क्षमता व उनकी प्रवृति आदि सब कुछ प्रभावित होती है। सूर्यास्त के बाद होने वाली आतिशबाज़ियाँ तो विशेषकर पक्षियों को इतना विचलित करती हैं कि वे अपने घोंसलों से भयवश उड़ जाते हैं और रात के अँधेरे में इधर उधर टकराकर मर जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार 100 डेसीबल से अधिक का शोर मानव श्रवण शक्ति को प्रभावित करता है इसीलिये विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 45 डेसीबल तक की ध्वनि को एक सुखद शहरी जीवन के लिये आदर्श ध्वनि के रूप में स्वीकृत किया है। परन्तु हैरानी की बात है कि महानगरों व बड़े भारतीय शहरों में ध्वनि प्रदूषण का पैमाना नियमित रूप से 90 डेसीबल के ऊपर जा चुका है। इसका कारण जहाँ ध्वनि प्रदूषण के उपरोक्त समस्त कारक तो हैं ही साथ साथ धर्म-आस्था-व्यवसाय,पाखंड तथा भीख मांगने खाने वालों द्वारा पूरी स्वतंत्रता के साथ निर्बाध रूप से फैलाया जाने वाला ध्वनि प्रदूषण भी कम नुक़सानदायक नहीं है। शहरों व क़स्बों की हालत इस समय ऐसी हो चुकी है कि सुबह सवेरे एक या अनेक भिखारियों की टीम सूर्योदय से पहले ही कालोनियों में प्रवेश कर जाती है और विभिन्न तरीक़ों से चीख़ चिल्लाकर डफ़ली या ढोल डमरू आदि बजाकर सोते हुये लोगों को उठाकर भीख मांगने लगती है। अभी इनका %चीख़ो अभियान % चल ही रहा होता है कि इतने में मेहनत कश सब्ज़ी व फल फ़रोश गलियों में प्रवेश कर जाते हैं। आजकल सब्ज़ी व फल विक्रेताओं ने भी तरक़्क़ी कर अपने ठेलों,रेहड़ियों पर लाउडस्पीकर रख लिया है। निश्चित रूप से इस सुविधा से उन्हें अब गला फाड़ कर चिल्लाने की ज़रुरत तो नहीं पड़ती परन्तु लाउडस्पीकर के उपयोग से वह गली तब तक शांत नहीं होती जबतक कि वह सब्ज़ी या फल फ़रोश गली से चला न जाये।

इसी तरह लगभग सारा दिन लाउडस्पीकर लगाकर कोई कबाड़ी कबाड़ ख़रीदने की गुहार लगता है तो कोई कंघी वाले बाल ख़रीदने का शोर करता सुनाई देता है।कभी बर्तन वाला तो कभी कपड़ों वाला कभी क़ालीन ग़लीचों वाला तो कभी शनि या अन्य देवी देवताओं या अल्लाह भगवान के नाम पर भीख मांगने वाला, गोया पूरी आज़ादी के साथ शोर मचाकर चीख़ चिल्लाकर आम लोगों को विचलित करना इन का स्वभाव बन चुका है। इसी तरह यदि आप रेल या बस में यात्रा करें तो वहां भी भिखारी लोग आपके सिर पर खड़े होकर गाला फाड़ कर चिल्लायेंगे भी,ढोल या डफ़ली,खंजरी आदि कुछ भी बजायेंगे भी और बाद में भीख मांगने लगेंगे। आम आदमी इन सब बातों से दुखी होने के बावजूद इन्हें झेलने के लिये गोया अभिशप्त रहता है। उधर इसी समाज का एक वर्ग पुण्य कमाने की ग़रज़ से इन जैसे अवांछनीय तत्वों को कुछ पैसे देकर इनकी चीख़ने की %आज़ादी % की हिमायत भी करता है और इनके निठल्लेपन की हौसला अफ़्ज़ाई भी करता है। मस्जिद की अज़ानें हों या मंदिरों की आरतियां व शंखनाद,सड़कों पर हो रहे जगराते या अन्य धार्मिक व सामाजिक आयोजन, आये दिन कहीं न कहीं किसी न किसी अवसर पर निकलने वाली शोभा यात्रायें,इन जैसे जुलूसों में इस्तेमाल होने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्र आदि मानव जनित चीज़ें ही स्वयं मानव जीवन के लिये अत्यंत हानिकारक हैं। शादी ब्याह जैसे समारोहों में बजने वाले डीजे व ढोल नगाड़े आदि सभी इंसान के बहरापन व उच्च रक्तचाप के कारक हैं।

परन्तु विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों की तमाम चेतावनियों के बावजूद और सरकार द्वारा इसे नियंत्रित करने के अनेक क़ायदे क़ानून व नियम निर्धारित करने के बावजूद कान फाड़ शोर का जारी रहना इसी बात की ओर इशारा करता है कि शायद हमारे देश का आम आदमी इसी अंदाज़ से बेरोकटोक जीने को ही वास्तविक आज़ादी समझता है। इसलिये एक सतर्क व जागरूक परन्तु असहाय व लाचार बना बैठा व्यक्ति ऐसे लोगों के लिये तो सिर्फ़ सद्बुद्धि की प्रार्थना ही कर सकता है अन्यथा %चीख़% कि लब आज़ाद हैं तेरे%।

कांग्रेस की समस्या, बिना मतलब तपस्या

सरयूसुत मिश्रा

विरोधियों को सत्ताग्रही और कांग्रेस को सत्याग्रही स्थापित कर राहुल गांधी ने सत्ता को जहर बताने के अपने पुराने अनुभवों को ही दोहराया है. जब सत्ता की जरूरत ही नहीं है फिर सुंदर और सुशील चेहरे को खिचड़ी दाढ़ी से ढककर राजनीतिक परिपक्वता बताने की भी क्या जरूरत है? भारत जोड़ो यात्रा को तपस्या कहकर उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा को आध्यात्मिक रंग देने का प्रयास किया है लेकिन राजनीतिक हकीकत का मुकाबला राजनीति से ही हो सकता है. इसके लिए इमोशनल स्पीच छवि सुधार में तो काम आ सकती है लेकिन मत पेटियां भरने के लिए मजबूत संगठन और बूथ स्तर तक पार्टी की सक्रियता जरूरी है.

यह महाधिवेशन परंपरागत कमजोरियों को दूर कर सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कोई नई पहल करने में सफल नहीं हो सका है. कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर और राज्यों में संगठन के जो हालात बने हुए हैं, कमोबेश उन्हीं बातों को जारी रखा गया है. जो भी संकल्प महाधिवेशन में पारित किए गए हैं उनमें निकले पॉलीटिकल मैसेज कांग्रेस को दूरगामी रूप से लाभ पहुंचाते हुए दिखाई नहीं पड़ रहे हैं.

कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र लंबे समय से विवाद का विषय बना हुआ था. ऐसा माना जा रहा था कि इस महाधिवेशन में पार्टी की सर्वोच्च निर्णायक इकाई सीडब्ल्यूसी के चुनाव हो सकते हैं लेकिन पार्टी ने लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत से ही किनारा कर लिया.

कांग्रेस पूरे देश में सिमटती जा रही है. राज्यों में अनुशासनहीनता और गुटबाजी को रोकने के कोई प्रयास नहीं किए जा सके हैं. विचारधारा के स्तर पर भी कांग्रेस की दुविधा इस महाधिवेशन से बढ़ती हुई दिखाई पड़ रही है. कांग्रेस अपनी सेकुलर इमेज पर आगे बढ़ने का दिखावा भले ही करती हो लेकिन सॉफ्ट हिंदुत्व और धर्म की राजनीति को आगे बढ़ाने वाले राज्यों के क्षत्रपों को बढ़ावा देकर कांग्रेस अपनी मूल विचारधारा से भटकती दिखाई पड़ी है.

रायपुर में संपन्न इस महाधिवेशन में राज्यों में कांग्रेस के बीच उभरी गुटबाजी भी साफ़ देखी गई है. इस महाधिवेशन की स्थिति भी वैसी ही दिखाई पड़ी जैसे राज्यों में कांग्रेस के संचालन की स्थिति दिखाई पड़ रही है. राज्य के क्षत्रप अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस पर कब्जा किए हुए हैं. विरोधियों की आवाज को दबाया जाता है. राजस्थान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है.

जनता में लोकप्रिय युवा चेहरे सचिन पायलट कांग्रेस आलाकमान के समर्थन के बाद भी राजस्थान में अपना स्थान हासिल करने में लगातार असफल हो रहे हैं. यह असफलता सचिन पायलट से ज्यादा कांग्रेस आलाकमान की मानी जाएगी. जब पार्टी में ऐसा कोई तंत्र ही नहीं बचा है जो राज्यों की स्थितियों और हालात की वास्तविकता को समझ कर कठोर निर्णय ले सके तो पार्टी में सुधार कैसे होगा? इसी तरह के हालात अधिवेशन में भी बने रहे. कोई भी कठोर फैसले नहीं लिए गए. जो भी संकल्प पारित किए गए हैं उन सभी में बीजेपी की सक्सेस स्टोरी के रास्ते का ही ध्यान रखा गया है.

युवाओं को पार्टी पदों पर 50त्र आरक्षण देने का संकल्प इस महाधिवेशन में भी पारित किया गया है. इसके पहले उदयपुर में भी इसी तरह के प्रस्ताव पास किए गए थे. अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया. रायपुर अधिवेशन के बाद भी हालात जस के तस बने रहेंगे. दलित और आदिवासियों को पार्टी में रिजर्वेशन की बात आजादी के इतने साल बाद कांग्रेस शायद इसलिए कर रही है क्योंकि बीजेपी ने दलित और आदिवासी दोनों वर्गों से भारत का राष्ट्रपति बनाने का साहसिक कदम उठाया है. पहले दलित वर्ग से रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया गया और अब आदिवासी वर्ग की द्रौपदी मुर्मू मोदी सरकार में भारत की राष्ट्रपति बनी हैं.

दलित-आदिवासी और महिलाओं को बीजेपी ने गवर्नेन्स में भागीदारी बढ़ाकर जो ढांचा तैयार किया है, उसी के जवाब में कांग्रेस ने पार्टी संगठन के पदों में इन वर्गों के आरक्षण का संशोधन प्रस्ताव पारित किया है. सामाजिक न्याय की दिशा में जातीय राजनीति की पुरानी शैली अब लगभग समाप्त हो चुकी है. सामाजिक न्याय की अवधारणा ने नया स्वरूप धारण कर लिया है. कांग्रेस को पार्टी में आरक्षण देने से कोई खास लाभ होने की संभावना नहीं है.

2024 में लोकसभा चुनाव के लिए विरोधी दलों की एकता के संबंध में भी कांग्रेस महाधिवेशन में कोई स्पष्ट दृष्टिकोण लेने में सफल नहीं रही है. जिस भाषा और संकेतों में विपक्षी एकता के लिए प्रस्ताव पारित किया गया है, उसके यही निहितार्थ समझे जा रहे हैं कि कांग्रेस शायद विपक्षी दलों की एकता से ज्यादा अपने विस्तार को महत्व देना चाहती है. कांग्रेस ने पूर्व में जब भी किसी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन किया है उसे नुकसान उठाना पड़ा है. उत्तरप्रदेश जैसे राज्य में चुनावी गठबन्धनों के कारण ही आज कांग्रेस राज्य में अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गई है. 2023 में होने वाले राज्यों के चुनावों में भी कांग्रेस में कोई चुनावी रणनीतियों की कोई पहल महाधिवेशन में नहीं दिख सकी है.

जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें कर्नाटक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान प्रमुख हैं. इन सभी राज्यों में कांग्रेस के नेताओं में गुटबाजी चरम पर है. महाधिवेशन चुनावी राज्यों में नेताओं के बीच तालमेल और स्पष्ट कार्य विभाजन तथा युवा नेताओं को नेतृत्व देने की रणनीति को अंजाम देने में असफल रहा है. वही पुराने घिसे-पिटे और उबाऊ चेहरों पर ही दांव लगाने की रणनीति कांग्रेस की ओर से अपनाई जा रही है.

ऐसा कहा जाता है कि कांग्रेस विरोधी दल से नहीं हारती बल्कि कांग्रेस को कांग्रेस ही हराती है. सभी चुनावी राज्यों में कमोबेश यही हालात दिखाई पड़ रहे हैं कि कांग्रेस ही कांग्रेस के खिलाफ खड़ी दिख रही है. इन परिस्थितियों को सुधारने की कूबत शायद अब कांग्रेस में नहीं बची है. इसलिए ऐसी रणनीति अपनाई जा रही है कि जैसा चल रहा है वैसा ही ठीक है. जो काबिज है, उसी का समर्थन करो. चुनाव में कुछ मिल गया तो अच्छा है, नहीं मिला तो कम से कम इस आरोप से तो बचा जा सकेगा कि हमने कोई नया प्रयोग किया ही नहीं.

अरबी भाषा में राहुल का अर्थ यात्री होता है. राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा तपस्या लगती है. उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा है और फिर से यात्रा का पार्ट -2 शुरू किया जा रहा है. यात्रा हमेशा अच्छी होती है लेकिन अगर यात्रा के अनुभवों को सही परिप्रेक्ष्य में स्वीकार और क्रियान्वित करने की कोशिश की जाए तब ही यात्रा का कोई लाभ होता है. कांग्रेस संगठन में भारत जोड़ो यात्रा के पहले जो हालात थे वही हालात आज भी बने हुए हैं. जब भारत जोड़ो यात्रा के अनुभवों को पार्टी संगठन और नेताओं में एकजुटता और अनुशासन के लिए उपयोग ही नहीं किया जाएगा तो यात्रा के अनुभव का क्या लाभ होगा?

कांग्रेस द्वारा आंदोलन की जो रणनीति तय की जाती है वह जनता से जुड़ी हुई नहीं होती. आंदोलन का स्वरूप मात्र सक्रियता दिखाने के उद्देश्य से होता है. कांग्रेस के आंदोलनों को मीडिया में उतना ही स्थान मिल जाता है, जनता में कोई भी सार्थक संदेश देने के लिए कांग्रेस कोई बड़ा आंदोलन करने में अब तक सफल नहीं हो सकी है. महाधिवेशन में कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मलिकार्जुन खडगे की लीडरशिप केवल रस्म अदायगी ही दिखाई दी वास्तव में पूरी कांग्रेस अधिवेशन में गांधी परिवार, सोनिया-राहुल और प्रियंका गांधी के इर्द-गिर्द ही घूमती रही.

कांग्रेस देश की जरूरत है. कांग्रेस को बदलना होगा. केवल डायलॉग से कांग्रेस की फिल्म सफल हो जाएगी ऐसा नहीं लगता है. कांग्रेस को विचारधारा की दुविधा को भी दूर करना होगा. एक तरफ कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व पर जाना चाहती है और दूसरी तरफ मनुवाद का विरोध करना चाहती है. केवल माइनॉरिटी पॉलिटिक्स कांग्रेस के भविष्य को सवारने में सक्षम नहीं दिखाई पड़ती. वैसे भी माइनॉरिटी वोट बैंक पर क्षेत्रीय दलों ने कब्जा कर लिया है. कांग्रेस को स्वयं को रिइन्वेंट करने की जरूरत के साथ घिसे-पिटे चेहरों को आराम देकर युवा और ताजगी भरे चेहरों को आगे लाने की जरूरत है.

क्या कश्मीर में बदलते हालात जंग की आहट है?

ललित गर्ग

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराने लगे हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर के पुलवामा के अचन गांव में एक कश्मीरी पंडित की हत्या ने अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। सवाल अनेक हैं लेकिन एक ज्वलंत सवाल है कि क्या कश्मीरी पंडितों की हत्याओं के सिलसिले का कभी अंत हो पाएगा? क्या अचन गांव में एक और कश्मीरी पंडित की हत्या भी अखबारों और टीवी चैनलों की सुर्खियां बनकर ही रह जाएगा? क्या कश्मीर घाटी का अमन-चैन वापस लौटेगा? कश्मीर पहले की तरह धरती का स्वर्ग नजर आएगा? इन सवालों का जवाब सिर्फ कश्मीर की जनता ही नहीं, बल्कि देश के साथ पूरी दुनिया भी जानने को उत्सुक है। यह सही है कि घाटी में सुरक्षा बलों और सैन्य ठिकानों पर हमले अब काफी कम हो गए हैं, लेकिन आम नागरिकों और खासकर कश्मीरी पंडितों और प्रवासी कामगारों की सुरक्षा से जुड़े सवाल अब भी अहम एवं कायम हैं।

बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। वैसे तो कश्मीर अनेक बार जंग का मैदान बनी है, लेकिन इस बार चुनाव का मैदान है। बुलट की जगह है बैलेट। जंग कोई भी हो खतरा तो उठाना ही पड़ता है। जंग कैसी भी हो, लड़ता पूरा राष्ट्र है। भारत की इज्जत और प्रतिष्ठा है कश्मीर, नाक है। कितनी कीमत चुका दी, चुका रहे हैं। वहां राजनीतिज्ञों की माँग है- स्वायत्तता। जनता ही माँग है- शांति। दोनों चाहते हैं वहां लोकतंत्र लौटे। दोनों को इन्तजार है नतीजों का। इधर पूरे राष्ट्र व विश्व को भी इन्तजार है नतीजों का।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ लोगों को बन्दूक से सन्दूक तक लाने का, बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो मोदी का जादू रहा है। लेकिन उससे पहले

कश्मीरी पंडितों के पलायन को रोकना ज्यादा जरूरी है। उनकी जीवन-रक्षा ज्यादा मूल्यवान है। अब ताजा घटना में मारे गए कश्मीरी पंडित का परिवार भी पलायन की सोच रहा है। सरकार पंडितों पर खतरे से अनजान नहीं है। इन्हें लंबे समय से योजनाबद्ध तरीके से कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया जा रहा है। इसे रोक पाने में सरकार को विशेष सफलता मिलती नहीं दिख रही है। लक्षित हमलों में अक्तूबर 2021 से अब तक पांच पंडितों की हत्या की जा चुकी है। इनमें से चार ऐसे थे, जिन्होंने 1990 में आतंक के भयावह दौर में भी घाटी से पलायन नहीं किया था। अचन गांव के साठ पंडित परिवारों में से उनसठ तभी पलायन कर गए थे। मारे गए व्यक्ति को पुलिस ने जान पर खतरे के बारे में पहले ही आगाह कर दिया था, जिसके बाद वे पिछले तीन-चार महीने से अपने काम पर नहीं जा रहे थे। घर के पास सुरक्षा के लिए पुलिस की भी तैनाती थी। इस सारे एहतियात के बावजूद उनकी हत्या हो जाने से लगता है कि आतंकियों के पास स्थानीय समर्थन है, जो उन्हें लक्ष्य की गतिविधियों की खबर देता था। इन आतंकी गिरोहों के पास ज्यादा मजबूत खुफियातंत्र है। इन हत्याओं से आम पंडितों और प्रवासी कामगारों को यह लगना स्वाभाविक है कि सरकार उनकी सुरक्षा में विफल है और वे फिर पलायन की सोच सकते हैं। पर यह आतंक को खाद-पानी देने जैसा होगा। आतंक के पोषक और उनके आका भी यही चाहते हैं कि डर कर घाटी में बचे-खुचे पंडित भी पलायन कर जाएं और दशकों पहले घर-बार छोड़ कर भाग चुके पंडित घर वापसी के बारे में कतई न सोचें। यह तो जीत की ओर बढ़ते कदमों के पीछे हटने जैसे हालात है। सरकार घर-बार छोड़कर भाग चुके पंडितों की घाटी में वापसी चाहती है। पर वे लोग, जिन्होंने नब्बे के दशक में आतंक के दौर में भी घाटी नहीं छोड़ा, अब चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं तो जम्मू या देश के अन्य हिस्सों में रह रहे पंडितों को वापसी के लिए कैसे मनाया जा सकता है। असुरक्षा की भावना अब भी उतनी ही है, जितनी पहले थी। हमारे लिए कश्मीर सिर्फ जमीन का एक टुकड़ा मात्र नहीं है, यह हमारी शान है, इससे हमारा भावनात्मक एवं राष्ट्रीय जुड़ाव है। पुलवामा में सैनिकों पर हो या अमरनाथ यात्रियों पर, दिमाग में कौंध रहे सवाल और बड़े होकर उमड़ने लगते हैं। यह सही है कि आतंकी घटनाएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, लेकिन क्या हम कश्मीर में इसे जड़ से उखाड़ नहीं फेंक सकते? आतंककारी घटनाओं पर देश में होने वाली राजनीति भी इस दिशा में नकारात्मक पहलू माना जा सकता है। सब जानते हैं कि पिछले साढ़े तीन दशक में दिल्ली और कश्मीर की सत्ता पर भाजपा भी काबिज रही है और कांग्रेस भी। नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, समाजवादी पार्टी और राजद जैसे दल भी सहयोगियों की भूमिका में रह चुके हैं, लेकिन विपक्ष में जो भी दल होता है, सरकार पर निशाना साधने से न चूका है और न चूकेगा।

15 अगस्त 47 के दिन से ही पड़ोसी देश पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है। कश्मीर को अशांत करने का कोई मौका वह खोना नहीं चाहता। आज के दौर में उठने वाले सवालों में ज्यादातर का जवाब केंद्र सरकार को ही देना है। यह बात भी सही है कि इस मसले को दलगत राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। ऐसे वक्त में जब कश्मीर में लोकतांत्रिक तरीके से सरकार बनाने की तैयारियां चल रही हों, वहां शांति स्थापित करना सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। इनमें अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। आतंकी संगठनों में नए भर्ती हुए युवाओं और उनके मददगारों की शिनाख्त जरूरी है, ताकि लक्षित हत्याओं के उनके इरादों को पहले ही नाकाम किया जा सके। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। जब लड़ाई पाकिस्तान और भारत की है तो एक बार फिर चुनावी जंग से पहले मैदानी जंग हो जाने दें। प्रेषकः

कुक्कुडूं-कूं किताब में पढ़ें एक सपने के सच बनने का सफरनामा

सफलता की कुंजी अगर कड़ी मेहनत है तो कड़ी मेहनत की कुंजी क्या है? इस कड़ी मेहनत की कुंजी वह सपना है जो हमें सोने नहीं देता। पूर्व आईएएस अधिकारी जय प्रकाश द्विवेदी की पहली किताब इस सपने को देखने, इसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत और अंततः इसे साकार करने की कहानी है। किताब गांव के खेत-खलिहान से बतौर नौकरशाह दिल्ली में सत्ता के केंद्र लुटियंस दिल्ली तक की यात्रा का सफरनामा है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या, सिख-विरोधी दंगों और कश्मीर में आतंकवाद के दौर के बाद चुनाव कराने की चुनौतियों के उल्लेख के साथ किताब के लेखक अंततः दार्शनिक अंदाज में यह प्रश्न भी खड़ा करते हैं कि गांव गंवाकर और शहर को पाकर अंततः व्यक्ति को मिलता क्या है।

इस किताब ÷कुक्कुडूं-कूं÷ के अजीबोगरीब शीर्षक के पीछे भी एक दिलचस्प किस्सा है। बचपन में लेखक ने एक बार हंसी-मजाक में अध्यापक के दराज में मेंढ़क रख दिया। अध्यापक को पता चलने पर उन्हें मुर्गा बनना पड़ा और बांग तक देनी पड़ी। इन घटना से लेखक के मन में पहली बार अपने करियर को लेकर ख्याल आया। लेखक ने बड़े होकर अध्यापक बनने की ठानी क्योंकि जो इंसान तक को मुर्गा बनाने की ताकत रखता हो, उससे ताकतवर दुनिया में कोई और हो भी नहीं सकता। लेखक द्वारा करियर के बारे में सोचने की शुरुआत चूंकि मुर्गा बनने से हुई, इसलिए किताब को ÷कुक्कुडूं-कूं÷ शीर्षक मिला। इसके बाद किताब लिखने की प्रेरणा के बारे में पूर्व नौकरशाह ने बताया कि अपने सेवाकाल में उन्हें अकसर अपने परिचित युवाओं के ऐसे अनुरोध मिलते कि वह किसी तरह जुगाड़ और शॉर्टकट से उनकी नौकरी लगवा दें। इसके अलावा भी आज युवा अपने सपने पूरे करने के लिए मेहनत करने के बजाय दिग्भ्रमित रहते हैं या अवसाद में पड़े रहते हैं। ऐसे में यह किताब इस उद्देश्य से लिखी गई है कि युवा समझ सकें कि हमारी जिंदगी में आने वाले उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा होने के साथ-साथ इसका सौंदर्य हैं। इन्हें स्वीकार ही नहीं किया जाना बल्कि इनका आनंद भी लिया जाना चाहिए।

अगर किताब की भाषा शैली और प्रवाह के बारे में बात की जाए तो लेखक का साहित्यिक पृष्ठभूमि से नहीं होना दरअसल एक तरह से अच्छा ही हुआ। इससे किताब की भाषा में अलंकृत शब्दों और सुसंस्कृत अलंकारों की भरमार के बजाय गंवई सादगी दिखती है। अभिधा शैली के उपयोग के चलते बातों को घुमा-फिराकर कहने की बजाय इन्हें सीधे-सीधे पाठकों के सामने रख दिया गया है। किताब में परंपरागत नायक-खलनायक नहीं हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पहले स्नातकोत्तर छात्र, फिर शोधार्थी और फिर आईएएस की तैयारी में कई वर्ष बिताने के चलते गांव के लोग लेखक पर व्यंग्य करते हैं कि आखिर कब तक पढ़ते ही रहोगे, नौकरी करके परिवार का सहारा कब बनोगे तो

गांव-देहात जहां पढ़ाई का लक्ष्य ही नौकरी है, यह सीधा और आम सवाल है। इसी तरह नौकरी के दौरान भी अपने बच्चों के प्रति पक्षपात की कोशिश, सख्त अधिकारी और संवेदन हीन प्रशासन ऐसी चीजें हैं जो खलनायक की तरह दिखने के बजाय हम लोगों के बीच रहने वाले आम लोगों जैसे ही लगते हैं। इसी तरह किताब में कोई सुपरमैन नायक को भी गढ़ने का प्रयास नहीं किया गया है। लेखक के संघर्षों को भी बेहद बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया गया है। लेखक अगर पढ़ाई-लिखाई में मेहनती है तो वह आम बच्चों की तरह शरारतें और ऊधम भी करता है। एक बार लेखक की नासमझी से पूरे इलाके को बिना बिजली के रहना पड़ा और एक बार गांव से होकर गुजरने वाली ट्रेन की आवाजाही में भी बाधा पड़ गई। इसी तरह केंद्र सरकार में अधिकारी बनने के बाद भी लेखक क्रांतिकारी या मसीहा नहीं बनता है, वह अपनी सीमाओं के भीतर रहकर ही तंत्र को जनता के प्रति संवेदनशील बनाने की कोशिश करता है।

लेखक बताते हैं कि उन्होंने यह किताब युवाओं को दिशा देने और कड़ी मेहनत के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लिखी है। इस लक्ष्य में उन्हें कितनी सफलता मिलेगी, यह भविष्य के गर्भ में है लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पाठक साठ-सत्तर के दशक में उत्तर प्रदेश के ग्राम्य जीवन और आम नौकरशाह के जीवन से अवश्य रू-ब-रू होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

फॉरेस्ट की जमीन में उत्खनन करते ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त, मामला दर्ज

शिवपुरी-खबर जिले के खनियाधाना से है जहां वन विभाग खनियाधाना की अवैध उत्खनन कर्ताओं पर एक के बाद एक कार्यवाही देखने को मिल रही है वहीं रेंजर अनुराग तिवारी के निर्देश पर खनियाधाना डिप्टी रेंजर रवि शंकर पटेरिया ने खनियाधाना वन क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बीट मचारस से वन विभाग के गस्त के दौरान एक ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी का अवैध उत्खनन कर रहा था। जैसे ही वन विभाग की टीम को अवैध उत्खनन करता ने देखा तो मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्राली को मोके पर छोड़ कर फरार हो गए फिलहाल खनियाधाना वन विभाग की टीम ने मिट्टी का अवैध उत्खनन कर रहे ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ कर खनियाधाना सब रेंज में लाकर रखा है। खनियाधाना वन विभाग को कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि एक ट्रैक्टर ट्रॉली रोज वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन कर रहा है ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़कर खनियाधाना डिप्टी रेंजर रविशंकर पटेरिया ने वन अधिनियम के अंतर्गत अवैध उत्खनन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर ट्रॉली में दो 2 घन मीटर मिट्टी भरी हुई है और मौके पर करीब 4 घन मीटर मिट्टी के खुदाई के निशान भी मिले है।

शिक्षक रामप्रकाश हुए सेवानिवृत्त, भावभीनी विदाई

शिवपुरी - अनुविभाग करैरा अंतर्गत संकुल केंद्र करही के शासकीय प्राथमिक विद्यालय बाढ़ई की मड़ैया पर पदस्थ प्रधानाध्यापक राम प्रकाश शर्मा 36 साल की सेवा अवधि के उपरांत सेवानिवृत्त हुए। उनकी सेवानिवृत्ति पर संकुल प्रभारी आर सी जाटव द्वारा सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र देकर सुखद जीवन की कामना के साथ भावभीनी विदाई दी गई। विदाई कार्यक्रम शासकीय प्राथमिक विद्यालय बाढ़ई की मड़ैया पर शिक्षक साथियों द्वारा आयोजित किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि करही क्षेत्र के प्रमुख संत राजेंद्र पूरी मारुति नंदन गौशाला एवं हनुमान मंदिर ग्राम करही एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक मिश्रीलाल मिश्रा, नरवर विकासखंड के बीआरसी प्रदीप अवस्थी, संकुल प्राचार्य आर सी जाटव सहित संकुल अंतर्गत अनेक शिक्षक साथी सहित उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। सर्वप्रथम शिक्षक साथियों ने सेवानिवृत हो रहे शिक्षक राम प्रकाश शर्मा को माल्यार्पण कर साल श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। बीआरसीसी ने श्री मद भगवत गीता भी सप्रेम भेंट की सेवानिवृत्त कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य आरसी जाटव,संकुल के वरिष्ठ शिक्षक ओम प्रकाश शर्मा, अरविंद सडैया, मोहन स्वरूप मिश्रा, प्रधानाध्यापक महेश जोशी, अनिल पांडे, संतोष शर्मा,जगदीश भार्गव, सेवानिवृत्त शिक्षक बद्री प्रसाद साहू,विजय गुर्जर, अवधेश गोस्वामी,पत्रकार युगल किशोर शर्मा सहित अनेक शिक्षको ने अपने उद्बोधन में शिक्षक शर्मा के कार्य व्यवहार की तारीफ कर भावभीनी विदाई दी। सभी अतिथि सहभोज कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक के परिजन रिश्तेदारों ने भी मां पीतांबरा माई की तस्वीर भेंटकर सुखद जीवन की कामना की।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक सम्पन्न

खरगोन /कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा की अध्यक्षता में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नवाचार कर रहे है पहाड़ी क्षेत्र कोटा के किसानों ने थाई पिंक अमरूद और स्ट्रॉबेरी कवैट गिफ्ट के रूप में प्रदान की। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा जिले में रासायनिक कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग को लेकर चिंता व्यक्त की गई। कृषि विभाग के उपसंचालक श्री एम एल चौहान ने जिले में प्राकृतिक खेती करने वाले पंजीकृत किसानों की जानकारी प्रस्तुत की। जिले में ऐसे प्राकृतिक खेती करने वाले कुल किसान 2027 है जो 810.8 हे. रकबे में खेती करते है। बैठक में एसपी श्री धर्मवीर सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा व बोर्ड के अन्य सदस्य व वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के मामले में बीस वर्ष का सश्रम कारावास एवं पांच हजार अर्थदण्ड से दण्डित

छतरपुर। अभियोजन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 13.10.2020 को पीड़िता की मां ने थाना पिपट उपस्थित होकर इस आशय की रिपोर्ट की कि पीड़िता की उम्र लगभग 16 वर्ष है वह कक्षा 11 में पढ़ती है, हर रोज कि तरह पीड़िता दिनांक 12.10.2020 को सुबह 07 बजे के करीब कोचिंग पढ़ने गयी थी, जब से वापस नही, कोचिंग में पता किया तो पता चला कि आज पीड़िता कोचिंग पढ़ने नही आयी है। तलाश करने पर कुछ पता नही चला, उसका फोन भी बंद आ रहा है, उसे शंका है कि कोई अज्ञात व्यक्ति पीड़िता को बहला फुसलाकर कर ले गया है। फरियादिया की मां की उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाना पिपट में अपराध पंजीबद्ध किया गया। दौरान पीड़िता को आरोपी के कब्जे से दस्तयाब किया गया जिसके पश्चात महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पूछताछ कर अभियोक्त्री के कथन लेखबद्ध किये गये। अभियोक्त्री के कथनों के आधार पर मामले में धारा 366, 376(3),376(2)(एन) भादवि एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 का इज़ाफा कर संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग-पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

गंभीर बीमारी से पीड़ित 8 लोगों का होगा उपचार

छतरपुर, । सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 8 लोगों के बेहतर उपचार के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान मद से 2.95 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

लक्ष्मण पिता भरोसा लोधी निवासी बम्हौरीकलां रामटौरिया को 45 हजार, अभिलाषा कृष्णकांत चौरसिया निवासी महाराजपुर को 60 हजार, रामलाल पिता शब्बू सेन निवासी रामटौरिया को 50 हजार, रूपसिंह पिता नन्हेभाई यादव निवासी मझगुवां को 40 हजार, लक्ष्मीबाई पति मोतीलाल पटेल निवासी खपरया बगमऊ को 25 हजार, हल्कीबाई पति देशराज निवासी खपरया बगमऊ को 40 हजार, पूजा पति संतोष सेन निवासी बड़ामलहरा को 25 हजार और रामसखी पति शंकर रजक निवासी कुपीसेपरा को 10 हजार को सहायता राशि स्वीकृत हुई है।

वन परीक्षेत्र बोरदेही बीट में तेंदूपत्ता फड़ खोलने की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल - आमला वन परीक्षेत्र वन ग्राम जूनापानी टुकड़ी रैयत गोलाआमा के आदिवासियों को तेंदूपत्ता संग्रहण करने तथा उन्हें एकत्र कर संग्रहित करने को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष छन्नू बेले महिला कांग्रेस नेत्री सीमा अतुलकर के नेतृत्व में क्षेत्र के आदिवासी वन परीक्षेत्र आमला बोरदेही बीट के ग्राम सिंगली मंगरा जूनापानी टुकड़ी के आदिवासियों ने आमला वन परीक्षेत्र के रेंजर के माध्यम से डीएफओ वन विभाग सामान्य बैतूल को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में बताया है। कि बोरदेही बीट के ग्रामीण क्षेत्रों के आदिवासियों को तेंदूपत्ता सीजन में तेंदूपत्ता तुड़वाई से लेकर संग्रहण डुलाई में तेंदूपत्ता फड़ संग्रहण नजदीक ना होने के कारण सीजन में तेजपत्ता तोड़ने वाले को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। और उन्हें सीजन में मेहनत अनुसार दाम नहीं मिल पाता है। आने वाले सीजन में बोरदेही बीट के ग्राम सिंगली मंगरा ग्राम पंचायत कलमेश्वर में तेंदूपत्ता फड़ संग्रहण करने हेतु नवीन फड शीघ्र खोलने की बात कही है। ज्ञापन के दौरान प्रमुख रूप से कांग्रेस नेता छन्नू बेले कलमेश्वर सेक्टर प्रभारी छबिराम यादव सचिव राजेश सूरे पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष मंगलेश कामतकर कन्हैया साहू बबलू बाजी राजू रमेश जंगलू उईके मुन्ना वीके दीपक रोमा संतोष दिनेश यादव पवन यादव सहीत अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत बैतूल में 51 वर-वधु का विवाह संपन्न

बैतूल :- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत जिला मुख्यालय पर लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में नव विवाहित वर-वधु को सांसद श्री डीडी उइके ने आशीर्वाद दिया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर ने पैर पखारकर नवदंपत्ति के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की है।सामाजिक न्याय-दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग एवं नगर पालिका बैतूल व बैतूलबाजार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से आए 51 वर-वधु परिणय सूत्र में बंधे। वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान शहीद भवन से बाजे-गाजे के साथ बारात निकाली गई, जो स्टेडियम पहुंची, जहां विभिन्न वैवाहिक रस्में विधि-विधान से पूर्ण कराई गईं। एक जोड़े का मुस्लिम रीति-रिवाजों से निकाह संपन्न कराया गया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत प्रत्येक दंपत्ति को उपहार स्वरूप 51 बर्तन, बिस्तर सेट, रेडियो, कलर टीवी, सिलाई मशीन, टेबल फेन, दीवार घड़ी, डाइनिंग टेबल कुर्सी सेट, आभूषण-पायल, बिछिया, माथा टीका, मंगलसूत्र सहित अन्य गृहस्थी उपयोगी सामग्री भेंट की गई। साथ ही 11 हजार रुपए राशि का चेक भी प्रदाय किया गया।

सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, बैतूल बाजार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती दुर्गावती वर्मा, उपाध्यक्ष श्री सुरेश गायकवाड़, पूर्व अध्यक्ष श्री सुधाकर पंवार, बैतूल नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री महेश राठौर सहित पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वर-वधु पक्ष के परिजन मौजूद रहे।

जनसुनवाई में 109 आवेदन मिले

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष छतरपुर में जनसुनवाई में मिले आवेदनों की समीक्षा करते हुये गंभीर किस्म के प्रकरणों को निराकरण होने तक सतत समीक्षा में लिया और शिक्षा विभाग से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिये जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी को प्रति सप्ताह शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में विभिन्न आवेदकों से जमीन पर कब्जा होने की शिकायत मिलने पर संबंधित एसडीएम से जांच कराने के निर्देश दिये गये। घरेलू प्रताडणा से संबंधित प्रकरणों पर महिला बाल विकास अधिकारी को काउंसलिंग की सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में शहर में वार्ड न. 21 में जल संकट की जानकारी मिलने पर कलेक्टर ने एसडीएम और सीएमओ को जनसुनवाई के बाद वार्ड में जाने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन 109 प्राप्त हुये। जिन्हे विभागीय अधिकारियों को परीक्षण करते हुये समाधान करने के निर्देश दिये गये।

भगवान जगन्नाथ स्वामी भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की जन जागृति रथ यात्रा की आगवानी की धूमधाम

बाड़ी । मंगलवार को भगवान जगन्नाथ स्वामी एवं भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की रथ यात्रा बकतरा से सुबह दस बजे नगर आगमन हुआ। जिनमें समस्त साहू समाज द्वारा यात्रा का हाईवे चौराहा के पास पूजन अर्चन कर फूल मालाओं से स्वागत किया एवं बैंड़बाजों के साथ नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए मातृशक्ति एवं बच्चों सामाजिक बन्धुओं, माताएं बहन सम्मलित हुए एवं जगह जगह सभी पूजन अर्चन कर सभी ने स्वामी जगन्नाथ जी एवं मां कर्मा देवी का आशीर्वाद लिया। भगवान जगन्नाथ स्वामी, माँ कर्मा साहू समाज मंदिर में जन जागृति रथ यात्रा पहुँचने पर पालकी में विराजमान माँ कर्मादेवी की भेंट माँ कर्मादेवी जी से भेंट कर पूजा अर्चना की गई । तदुपरांत नगर साहू समाज अध्यक्ष शरद जी अपने वरिष्ठ समाज बंधुओं से यात्रा में शामिल आयोजकों का तिलक और पुष्प माला पहनाकर उनका आत्मियता के साथ स्वागत सत्कार किया, बहीं महिला नगर अध्यक्ष सरीता साहू ने अपनी मित्र मंडली के साथ माँ कर्मा जी की पूजा अर्चना की। आयोजको ने संक्षिप्त रूप से यात्रा का उद्देश्य बताया उन्होंने बताया कि जब मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ शामिल था तब हमारे समाज की सत्ता में भागेदारी होती थी लेकिन आज मध्यप्रदेश में साहू तैलिक समाज की सत्ता में कोई भागेदारी नहीं हैं न कोई विधायक और न कोई सांसद हैं हमारी जनसंख्या अधिक होने के बावजूद राजनीतिक दल महज इसलिए भागेदारी नहीं देते हैं कि हम संगठित नहीं हैं । हमारी यात्रा का मकसद सम्पूर्ण साहू समाज को एकसूत्र में बाँधना हैं ..संगठन की ताकत ही आपकी सफलता हैं ।

यह जन जाग्रति यात्रा राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष यात्रा संयोजक रविकरण साहू के नेतृत्व में साहू समाज को जागरूक करने एवं एकता का संदेश के लिए 17 अप्रेल 2022 से जबलपुर से शुरु होकर 11 माह मध्यप्रदेश के सभी 52 जिलों के नगरों, कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों में होते हुए 19 मार्च 2023 को भोपाल के जंबूरी मैदान में 5 लाख से अधिक साहू बन्धुओं, माताओं बहनों की उपस्थिति में साहू महाकुंभ के रूप में समाप्त होगी। इसमें आपकी उपस्थित होना ही समाज के संगठन की ताकत दिखाई देगी ।

तनाव मुक्त होकर परीक्षा दें विद्यार्थी - कलेक्टर श्री सिंह

दसवीं के 20945 तथा बाहरवीं के 19767 विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में होंगे शामिल

सीहोर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मप्र के निर्देशानुसार हायर सेकेण्डरी, हाईस्कूल तथा अन्य परीक्षाएं वर्ष 2023, एक और 02 मार्च 2023 से आयोजित की जा रही हैं। जिले में बोर्ड परीक्षाओं के लिए 95 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षा पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने निरीक्षण दल एवं उ?नदस्ता दल गठित किए हैं। परीक्षा अवधि के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को प्रभारी नियुक्त कर दल गठित किया गया है। जिले में प्रत्येक विकासखण्ड में दो-दो उ?नदस्ता दल तथा जिला मुख्यालय में दो उ?नदस्ता दल गठित किए गए है। परीक्षा में कक्षा 10वीं में 20945 विद्यार्थी तथा 12वीं की परीक्षा में 19767 परीक्षार्थी शामिल हो रहे है।

कलेक्टर श्री सिंह ने परीक्षा में शामिल हो रहे सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे परीक्षा को लेकर किसी तरह का तनाव न आने दें। शांत और एकाग्रचित होकर परीक्षा दें। साथ ही अपने स्वास्थ्य और भोजन का विशेष रूप से ध्यान रखें। प?ाई के साथ-साथ पर्याप्त नींद लें ताकि सुबह स्वयं को तरोताजा महसूस कर सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों से कहा है कि वे परीक्षा के तनाव और अच्छे रिजल्ट के दबाव में नहीं आएं और तनावमुक्त होकर परीक्षा दें। विषय से संबंधित कोई कठिनाई या भ्रम हो तो अपने शिक्षकों से परामर्श लें। परीक्षा हॉल में जाने के बाद छात्र तुरंत उत्तर लिखने की ह?ब?ी न करें। सबसे पहले प्रश्न पत्र को अच्छी तरह से प? और प्रश्नों को समझें। इसके पश्चात हल करना आरंभ करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा है कि अभिभावकों की अपेक्षा रहती है कि उनके बच्चे परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा नम्बर लेकर आएं। इसी अपेक्षा में वे जाने-अनजाने बच्चों पर अतिरिक्त मानसिक दबाव और तनाव डाल देते हैं। बच्चों के दिमाग में भी अपने माता-पिता की अपेक्षा पूरी करने के लिए अतिरिक्त मानसिक तनाव आ जाता है। जिसके चलते उनकी प?ाई ठीक से नहीं हो पाती। परीक्षा परिणाम अपेक्षित नहीं रहने से विद्यार्थियों के मन में निराशा की भावना आ जाती है। कई बार परीक्षा में असफल होने या अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने पर विद्यार्थी गलत कदम भी उठा लेते हैं। इसलिए आवश्यक है कि अभिभावक बच्चों पर किसी भी प्रकार का दबाव न डाले। बच्चों को तनावमुक्त रखने, उनके मार्गदर्शन के लिए टेली मानस सेल के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा काउंसलिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है। टेली मानस सेल पर टेलीफोन नंबर 14416 अथवा 18008914416 पर निःशुल्क कॉल कर तनाव को दूर करने विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया जा सकता है।

जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर ने जानकारी दी कि जिले में दसवीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 95 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। आष्टा विकासखण्ड में 22, बुधनी में 13, इछावर में 14, नसरूल्लागंज में 18 तथा सीहोर में 28 केन्द्र बनाए गए है।

चिटफंट कंपनियों के शिकार ठगी पीड़ित, जमाकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में की नारेबाजी

संसद ने दिया है अधिकार कलेक्टर दिलाए दोषियों को सजा

सीहोर। चिटफंट कंपनियों के शिकार ठगी पीड़ित सैकडों जमाकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में नारेबाजी की। जमाकर्ताओं ने परिसर में संसद ने दिया है अधिकार कलेक्टर दिलाए हमको न्याय जैसे नारे लगाए। इसके बाद कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया।

ठगी पीड़ित सैकडों जमाकर्ताओं ने कहा की सैकड़ों मल्टीस्टेट ठग कम्पनीज एवं सोसाइटीज ने सीहोर जिले एवं मध्यप्रदेश के लाखो नागरिकों को धोखाधड़ी से ठगा है और राज्य एवं केंद्रीय अधिनियमों का उल्लंघन करते हुए एकमत होकर जनता से करोड़ों रुपये की ठगी की है।

ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार संगठन के सुरेंद्र सिंह ने कहा सीहोर पुलिस द्वारा धोखाधड़ी एवं ठगी के प्रकरण दर्ज कर विशेष न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन होकर न्यायालय द्वारा 7 वर्ष पूर्व ही उक्त चिटफंड कम्पनियों की संपत्ति नीलामी के आदेश पारित कर दिए है लेकिन इस आदेश का पालन अबतक नही हुआ है। जिस कारण न्ययालय के आदेश की अवहेलना की गई है और ठगी पीडित न्याय के लिये दर-दर धक्के खा रहे हैं। जबकी संसद ने इस प्रकार की चिटफंट कंपनियों के डायरेक्टरों से जनता का पैसा वसूलने और उनको जेल भेजने के अधिकार प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को दे दिए है।

प्रताप सिंह मेवाड़ा ने कहा की सक्षम अधिकारी एवं कलेक्टर से मध्यप्रदेश निक्षेपको के हितों का संरक्षण अधिनियम 2000 व अनियमित जमा पाबन्दी अधिनियम 2019 के तहत चिटफंड कंपनी जी एन डेरिज, जी एन गोल्ड ग्रुप, जी लाईफ इंडिया ग्रुप, मालवांचलस्य ग्रुप, सहारा इंडिया,धनवर्षा,, हलधर स्वराज इंडिया, बी एन गोल्ड, बी पी एन रियल स्टेट, पर्ल्स, बाइकबोट, टोगो रिटेल मार्केटिंग, साई प्रकाश प्रॉपर्टीज डेवलपमेंट लिमिटेड, श्री राम कल्पतरु बिल्डटेक लिमिटेड, पियर्स जेकेवी, आदर्श जैसी अनेक मल्टीस्टेट ठग कम्पनीज एवं सोसाइटीज आदर्श मल्टीस्टेट क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटीज भास्कर क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटीज एवं समस्त चिटफंड कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने ठगी पीड़ितों के भुगतान के दावों को मंजूर करने एवं सीहोर जिले के विशेष न्यायालय में प्रचलित मुकदमो को सम्मिलित करने सहित भुगतान के आवेदन स्वीकार करने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में राज सिंह ठाकुर,कमलेश प्रजापती, गजराज सिंह ठाकुर, ज्ञानसिंह ठाकुर,मूलचुंद्र जायसवाल, विजेंद्र सिंह ठाकुर, इंदर सिंह मालवीय, मंसूर खां, हेमराज मालवीय आदि बड़ी संख्या में शामिल रहे।

प्रधानाध्यापक के प्रयास से चार छात्राओं को फिर से मिला पड़ाई का मौका, छात्राओं को दी प्रोत्साहन राशि

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ शेरपुर शासकीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष जैन सतु की पहल रंग लाई, चार छात्राओं ने स्कूल से प?ाई छो? दी थी, लेकिन उनके अभिभावकों को प?ाई का महत्व बताकर एक बार फिर से इन छात्राओं को एक बार फिर से प?ाई करने का मौका मिला है। इस मौके पर प्राचार्य श्री जैन ने अपनी ओर से 13-13 वर्षीय शिवानी, साजिया, आसमा और जोया को 500-500 रुपए की प्रोत्साहन राशि भेंट की। सोमवार को शासकीय विद्यालय में युथ एक्सचेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस मौके पर कार्यक्रम की प्रभारी आभा शर्मा ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार विद्यार्थियों के लिए प?ाई की जिम्मेदारी उठा रही है। प्राचार्य श्री जैन की पहल के बाद इन चार छात्राओं को भविष्य संवर जाएगा।

आम विस्तार दर्ज जमीन की रजिस्ट्री ,प्रशासन मोन,

शिकायत के बाद भी कार्यवाही क्यों नहीं- किसका मिल रहा संरक्षण ?

सतना। रजिस्ट्री कार्यालय पर हमेशा से अंगुली उठती रही है , पुष्टि तब हो जाती है जब तनुप्रिया कुशवाहा जैसी कोई उप पंजीयक अवैधानिकतौर से जमीनों की रजिस्ट्री कर देती है। आरोप है कि कृष्णनगर की एक जमीनकी रजिस्ट्री उप पंजीयक ने स्वयं के आर्थिक लाभ के लिए खसरे में आम निस्तार दर्ज होने के बावजूद अवैधानिक रूप से कर दी। पटवारी हलका कोलगवां की कृष्णनगर सतना में सरस्वती स्कूल के पास 18.72 एकड़ में विकसित आवासीय एवं व्यवसायिक कालोनी में रोड नाली हेतु एसडीएम रघुराज नगर द्वारा उच्च न्यायालय के आदेशानुसार प्रकरण क्रमांक 08/अ74/17-18 दिनांक 8.3.2020 के आदेशानुसार सुरक्षित रकवा घोषित कर खसरा के कालम नं. 12 में दर्ज करवाया गया जो आज भी अंकित है। किन्तु रोड नाली हेतु राजस्व रिकार्ड में दर्ज सुरक्षित रकवा के विक्रय पत्र की रजिस्ट्री उप पंजीयक सतना तनुप्रिया कुशवाहा द्वारा आर्थिक लाभ के लिए कर दी गई।

इस संबंध में तथ्य यह है कि आराजी नं. 404/1/1/1/59/1(स) रकवा 1800 वर्ग फिट अमित सिंह पिता रामपति सिंह पता विजय कान्वेंट स्कूल के पास हाउसिंग बोर्ड कालोनी सतना म.प्र. राजस्व रिकार्ड में भू-स्वामी दर्ज है। किन्तु खसरा के कालम नं. 12 में %%सड़क नाली सुरक्षित'' दर्ज है। अर्थात खसरा में भले ही उक्त आराजी में अमित सिंह भूस्वामी दर्ज है किन्तु आराजी में सड़क नाली बनी हुई है। इस नम्बर की आराजी कहीं भी रिक्त नहीं है। जब इस बात की सच्चाई अमित सिंह को पता चली तो उन्होंने दलालों के माध्यम से यह काल्पनिक और कागजी भूमि का सौदा श्रीमती पूनम अग्रवाल का बाउण्ड्री शुदा भूखंड दिखाकर किरण सोनी पत्नी पत्नी सुरेश कुमार सोनी को पूनमअग्रवाल के प्लाट की फर्जी चौहद्दी करा दी। दुर्भाग्य पूर्ण है कि खसरा में रोड नाली सुरक्षित लिखे होने के बावजूद उप पंजीयक तनुप्रिया कुशवाहा ने भ्रष्टाचार की मानसिकता से आर्थिक अपराध करते हुए रजिस्ट्री कर दी। उक्त भूखंड सतना शहर के प्राइम लोकेशन में मुख्य मार्ग में स्थित है जिसकी बाजारू कीमत पांच हजार रुपए प्रति वर्ग फिट है। इस तरह 90 लाख रुपए कीमत की रजिस्ट्री को उप पंजीयक की साठगांठ के कारण मात्र 20 लाख रुपए की कीमत निर्धारित कर दी गई। लेकिन यहां पर उप पंजीयक फर्जी कारोबार में बराबर की सहभागिता निभा रहीं थी शायद इसी कारण उन्होंने शासन को राजस्व की चपत लगाई।

वैसे भी स्वच्छ साफ और निर्विवाद रजिस्ट्री में उप पंजीयक तनुप्रिया दो प्रतिशत अपना कमीशन लेती हैं तो फिर इस आम निस्तार की भूमि की रजिस्ट्री में उनका हिस्सा कितने प्रतिशत है इसकी जांच होना आवश्यक है। क्योंकि इसमें किए गए अवैधानिक पंजीयन से आर्थिक अपराध स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है। उक्त भूमि का विक्रय मूल रजिस्ट्री में मात्र 20 लाख रुपए दर्शाया गया है जो कि पूरी तरह से झूठा है। इस फर्जीवाड़े के साथ दोनों पक्षों ने आयकर की चोरी भी की है। उल्लेखनीय है कि जिस सड़क नाली की भूमि को निजी स्वत्व विवादहीन और मालिक स्वामी होना अमित सिंह ने रजिस्ट्री में लिखाया है यह तथ्य भी असत्य और फर्जी है। यह उपंजीयक और राजस्व अमले की साठगांठ से किया गया बताया जा रहा है। जिसके कारण प्रशासन भी भूमाफिया के कारनामों पर बार-बार पर्दा डालता है। इधर अमित सिंह को भी संतोषी गुप्ता ने फर्जी तरीके से किसी अन्य (पूनम अग्रवाल , का प्लाट दिखाकर झूठी और फर्जी चौहद्दी लिखाकर रजिस्ट्री कराई थी। इसलिए अमित सिंह ने इसमें फंसा अपना रुपया निकलने के लिए वही कृत्य किरण सोनी के साथ किया। जो 17.1.2020 को संतोषी गुप्ता ने अमित सिंह को रजिस्ट्री कराकर किया था। इस मामले के अन्य अनेक फर्जी और कूटरचित पहलू हैं।

मूल रकवा 18.72 है किन्तु इस मूल रकवे के मूल 13 विभिन्न आराजी नं. (जो आज करीब 100 से अधिक बटांक में होकर स्वतंत्र अस्तित्व में है) का विक्रय महेश जैन वगैरह ने फर्जी तरीके से करीब 25 एकड़ से भी अधिक का कर दिया है। इस पूरे फर्जीवाड़े में राजस्व अमला सक्रिय है जो राजस्व रिकार्ड में फर्जी जमीन अंकित किए हुए है और भूमाफिया उसका विक्रय कर रहे हैं उसमें सभी लोग अपनी हिस्सेदारी लेकर करोड़ों का आर्थिक अवैधानिक कार्य कर चुके हैं। इसकी जांच करने पर सारी सच्चाई खुद व खुद सामने आ जाएगी। मांग की गई है कि उक्त पूरे मामले की किसी सक्षम और ईमानदार एजेंसी एवं अधिकारी से जांच कराई जाए तथा रोड नाली की सुरक्षित भूमि का पंजीयन कर अवैधानिक आर्थिक लाभ अर्जित करने वाली तनुप्रिया कुशवाहा व अन्य जाल साजों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

छतरपुर । श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान है। आयोजित प्रतियोगिताओं में पोस्टर, भाषण एवं पेंटिंग को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय पर आधारित रखा गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन उपरान्त किया गया। तत्पश्चात् सर्वप्रथम बीएससी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पूजा कुशवाहा ने फर्टिलाइजेशन पर बताया कि यह कॉम्पलेक्स सीरीज है इसका हम कैसे प्रायोगिक लैब में प्रयोग एवं ट्रांसप्लान्ट करते हैं। यह एक प्रकार की जेनेटिक समस्या है। बीएससी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अर्चना राजपूत ने बताया कि किस तरह से बाजरा हमारे जीवन में उपयोगी है। बाजरा का प्राचीनकाल से ही उपयोग रहा है इसका उपयोग मानव शरीर में शुगर को ठीक करने के साथ-साथ अन्य कई बिमारियों को ठीक करने के लिए किया जाता है। बीएससी द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अर्पित त्रिपाठी ने विज्ञान और तकनीकी के बारे में बताया कि विज्ञान हमारे कैसे दैनिक जीवन में भी उपयोगी है और हर कार्य एवं वस्तु कैसे विज्ञान से जुड़ी हुई है। हम जो भी कार्य करते हैं किसी ना किसी तरीके से ही करते हैं जो विज्ञान और तकनीकी से संबंध रखता है।

विज्ञान संकाय के भौतिक विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती नेहा यादव ने चंद पंक्तियों के द्वारा बताया कि चांद सूरज साक्षी तारागढ़, पनपा नहीं असत्य, सदा सत्य की जय होती है, यही है वैज्ञानिक तथ्य। सहायक प्राध्यापक आकांक्षा त्रिपाठी ने विज्ञान के बारे में बताते हुए कहा कि विज्ञान हमारे जीवन का आधार, विज्ञान ने किए हर कल्पना साकार, विज्ञान ने की है हर मुश्किल आसान, विज्ञान ने संसार को दिया एक नया अवतार। इसी के साथ वनस्पति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक भागवती चौरसिया ने विज्ञान दिवस क्यों मनाते हैं इसकी जानकारी से सभी को अवगत कराकर रमन प्रभाव को समझाया।

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325

वर्ष 9 अंक 9 पृष्ठ 5

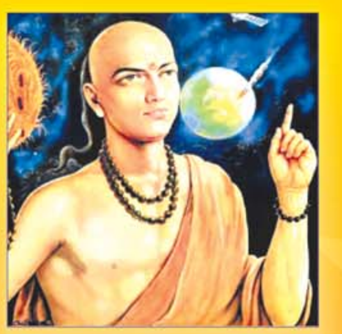

आर्य भट्ट

वेदांग निर्णय सागर

मार्च 2023

संपादक/पचांगकर्ता
पं. पी एन भट्ट

श्री विक्रम संवत् २०७९/८०
वीर निर्वाण संवत् २५४९

ता.२६ श्रीराम राज्य महोत्सव

ता. ३० भगवान श्री राम नवमी

शक संवत् १९४४/४५
बंगला सन् १४२९

ता.२३ भगवान झूलेलाल जयंती

श्री राम मंदिर (अयोध्या)

हिजरी सन 1444 शाबान मास (8), ता.24 से रमजान मास (9)

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार

ता.३ आमलकी, रंगभरी ग्यारस, ता.४ शनि प्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी, ता.६ व्रत पूर्णिमा, होलिका दहन, ता.७ होली (धुरेड़ी), स्नानदान पूर्णिमा, ता.८ बसंतोत्सव, आम्रकुसुम प्राशन, ता.९ भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा, ता.१० गणेश चतुर्थी व्रत, ता.१२ रंगपंचमी, ता.१३ एकनाथ छठ, ता.१४ भानु सप्तमी, ता.१५ शीतलाष्टमी, बसोरा, ता.१८ पापमोचनी एकादशी व्रत, ता.१९ प्रदोष व्रत, वारूणी योग, ता.२० शिव चतुर्दशी व्रत, ता.२२ गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रारम्भ, ता.२३ सिंधारा दोज, चेटीचाँद, ता.२४ गणगौर तीज, मनोरथ तृतीया, सौभाग्य सुंदरी व्रत, ता.२५ विनायकी चतुर्थी व्रत, ता.२६ श्रीराम राज्य महोत्सव, ता.२८ महानिशा पूजा, ता.२९ दुर्गाष्टमी व्रत, ता.३० भ. श्रीराम नवमी, श्री दुर्गा नवमी।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.१ को सूर्योदय से ११/५२ दिन तक। ता.२ को २/०१ दिन से ता.३ को ४/२६ दिन तक। ता.८ को ३/५१ रात्रि से रात्रि अंत तक। ता.११ को सूर्योदय से ६/०६ रात्रि अंत तक। ता.१३ को सूर्योदय से ५/०३ रात्रि अंत तक। ता.१७ को ११/४७ रात्रि से ता.१८ को १०/०७ रात्रि तक। ता.२१ को ५/३६ शाम से रात्रि अंत तक। ता.२३ को सूर्योदय से ता.२४ को ३/३२ दिन तक। ता.२७ को सूर्योदय से रात्रि अंत तक। ता.३० को सूर्योदय से रात्रि अंत तक। अमृत सिद्धि योग - ता.२७ को ५/३० शाम से रात्रि अंत तक। ता.३० को ११/३४ रात्रि से रात्रि अंत तक।

जयंतियाँ

ता.४ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, ता.७ चैतन्य महाप्रभु जयंती, ता.१० सावित्री बाई फुले जयंती, ता.१५ विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस, ता.१९ माँ हिंगलाज पूजा, ता. २० रानी अवंतीबाई लोधी बलि. दिवस, ता.२१ विश्व वानिकी दिवस, ता.२२ राष्ट्रीय नववर्ष १९४५ प्रारंभ, जल संरक्षण दिवस, डॉ. हेडगेवार जयंती, ता.२३ सरदार भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव श.दि., डॉ. राममनोहर लोहिया ज., ता.२४ विश्व क्षय रोग दिवस, ता.२५ गणेशशंकर विद्यार्थी बलि. दिवस, ता.२६ गुहाराज निषाद जयंती, ता.३० श्री रामचरित मानस जयंती, अवधिवा दिवस।

ग्रह स्थिति

सूर्य : कुम्भ राशि में ता.१५ को ६ बजे दिन से मीन राशि में। मंगल : वृष राशि में ता.१२ को १ बजे रात्रि से मिथुन राशि में। बुध : कुम्भ राशि में ता.१६ को १०/२० दिन से मीन राशि में, ता.३० को १/३४ दिन से मेष राशि में। गुरू : मीन राशि में ता.३१ को ९/३३ रात्रि से गुरू अस्त पश्चिम। शुक्र : मीन राशि में ता.१२ को ६/३६ प्रातः से मेष राशि में। शनि : कुम्भ राशि में। राहु : मेष राशि में। केतु : तुला राशि में।

चन्द्र स्थिति

ता.१ को मिथुन का। ता. ३ को प्रातः ८/५८ से कर्क का। ता. ५ को रात्रि ९/३० से सिंह का। ता. ८ को प्रातः ८/५४ से कन्या का। ता. १० को शाम ६/३७ से तुला का। ता. १२ को रा.अं. २/१६ से वृश्चिक का। ता. १४ को प्रातः ६/४७ से मीन का। ता. १७ को प्रातः १०/१९ से मकर का। ता. १९ को दिन ११/१७ से कुम्भ का। ता. २१ को दिन ११/५७ से मीन का। ता. २३ को दिन २/०८ से मेष का। ता. २५ को रात्रि ७/२५ से वृष का। ता. २७ को रा.अं. ४/२५ से मिथुन का। ता. ३० को शाम ४/१५ से कर्क का।

वार					
रवि	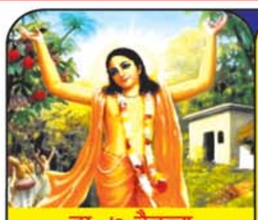 ता. ७ चैतन्य महाप्रभु जयंती	**5** फाल्गुन शुक्ल १३ २/०८ दिन तक; अश्लेषा १/२१ रात्रि तक	रंग पंचमी **12** चैत्र कृष्ण ५ १०/०२ रात्रि तक; स्वाति ७/५८ प्रातः तक	पंचक १२/२६ रात्रि से; प्रदोष व्रत; चैत्र कृष्ण १३ ४/५५ रा.अं. तक **19** चैत्र कृष्ण १२ ८/०७ प्रातः तक; धनिष्ठा १०/०३ रात्रि तक	श्रीराम राज्य महोत्सव **26** चैत्र शुक्ल ५ ४/३२ शाम तक; कृतिका १/५१ दिन तक
सोम	ता. ८ होली	चौमासी चौदस (जैन) **6** फाल्गुन शुक्ल १४ ४/१८ शाम तक; मघा १२/०३ रात्रि तक	एकनाथ छठ **13** चैत्र कृष्ण ६ ९/२८ रात्रि तक; विशाखा ८/२० प्रातः तक	पंचक; शिवचतुर्दशी व्रत **20** चैत्र कृष्ण १४ १/४८ रा.अं. तक; शतभिषा ७/३८ रात्रि तक	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी; जैन रोहणी व्रत **27** चैत्र शुक्ल ६ ५/२८ शाम तक; रोहणी ३/२६ दिन तक
मंगल	ता.१८ मां कर्मा देवी जयंती	होलिका दहन, लक्ष्मी जयंती; चैतन्य महाप्रभु जयंती; होलाष्टक समा. **7** फाल्गुन पूर्णिमा ६/१० शाम तक; पू.फा. २/२१ रा.अं. तक	शीतला सप्तमी, कालाष्टमी; भानु सप्तमी **14** चैत्र कृष्ण ७ ८/२३ रात्रि तक; अनुराधा ८/१२ प्रातः तक	विश्व सैन्य दिवस; पंचक **21** चैत्र अमावस्या १०/५३ रात्रि तक; पू.भा. ५/२४ शाम तक	महानिशा पूजा **28** चैत्र शुक्ल ७ ७/०३ रात्रि तक; मृगशिरा ५/३१ शाम तक
बुध	**1** फाल्गुन शुक्ल १० समस्त; मृगशिरा १/५० प्रातः तक	होली, इष्टि; अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस **8** चैत्र कृष्ण १ ७/४३ रात्रि तक; उ.फा. ४/१८ रा.अं. तक	शीतला अष्टमी, बसोड़ा; जैन वर्गी तप आरंभ; खरमास प्रारम्भ **15** चैत्र कृष्ण ८ ६/४६ शाम तक; ज्येष्ठा ७/३२ प्रातः तक	युगादी, चैत्र नवरात्रि; चन्द्र दर्शन; पंचक **22** गुड़ी पड़वा, चैत्र शुक्ल १ ८/२१ रात्रि तक; उ.भा. ३/३१ दिन तक	**29** चैत्र शुक्ल ८ ९/०८ रात्रि तक; आर्द्रा ८/०५ रात्रि तक
गुरु	नृसिंह द्वादशी **2** फाल्गुन शुक्ल १० ६/३१ प्रातः तक; आर्द्रा १२/४२ दिन तक	भाई दोज; चित्रगुप्त पूजा **9** चैत्र कृष्ण २ ८/५४ रात्रि तक; हस्त ५/५५ रा.अं. तक	मूल ६/२४ प्रातः तक **16** चैत्र कृष्ण ९ ४/४० शाम तक; पू.षा. ४/४६ रा.अं. तक	भ. झूलेलाल जयंती, शहीद दिवस; पंचक २/०७ दिन तक; चंद्र दर्शन **23** चैत्र शुक्ल २ ६/२१ शाम तक; रेवती २/०७ दिन तक	श्री राम नवमी, महातारा जयंती; स्वामी नारायण जयंती; जवारे विसर्जन **30** चैत्र शुक्ल ९ ११/३१ रात्रि तक; पुनर्वसु १०/५८ रात्रि तक
शुक्र	आमलकी एकादशी **3** फाल्गुन शुक्ल ११ ९/११ प्रातः तक; पुनर्वसु ३/४३ दिन तक	चंद्रोदय ८/४० रात्रि; गणेश चतुर्थी व्रत **10** चैत्र कृष्ण ३ ९/४३ रात्रि तक; चित्रा समस्त	**17** चैत्र कृष्ण १० २/०७ दिन तक; उ.षा. २/४५ रा.अं. तक	गौरी पूजा, गणगौर, सौभाग्य सुंदरी व्रत; मत्स्य जयंती **24** चैत्र शुक्ल ३ ५/०० शाम तक; अश्विनी १/२१ दिन तक	**31** चैत्र शुक्ल १० १/५९ रा.अं. तक; पुष्य १/५६ रा.अं. तक
शनि	प्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी; शनि त्रयोदशी **4** फाल्गुन शुक्ल १२ ११/४३ दिन तक; पुष्य ६/४२ शाम तक	संकष्ठी चतुर्थी **11** चैत्र कृष्ण ४ १०/०६ रात्रि तक; चित्रा ७/०१ प्रातः तक	पाप मोचनी एकादशी; मां कर्मा देवी जयंती **18** चैत्र कृष्ण ११ ११/१४ दिन तक; श्रवण १२/२८ रात्रि तक	विनायक चतुर्थी, लक्ष्मी पंचमी **25** चैत्र शुक्ल ४ ४/२३ शाम तक; भरणी १/१७ दिन तक	ता. ५ शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री जन्मोत्सव

सागर							
सूर्योदय	दिनांक	1–6/37	5–6/34	10–6/28	15–6/24	20–6/19	25–6/14
सूर्यास्त	दिनांक	1–6/18	5–6/20	10–6/22	15–6/24	20–6/26	25–6/28

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तनुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)	दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह	गुरूवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः	शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
				शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

पंचक

ता. १९ को दिन ११/१७ से ता. २३ को दिन २/०७ तक

शुभ मुहूर्त

विवाह : ता.५, ६, ७, ८, ९, ११, १३। उपनयन : ता.१, २, ३। मुण्डन : ता. ३। कर्ण वेध : ता.३। गृहारंभः ता. ३, ४।

मूल

अश्लेषा के ता. ४ को शाम ६/५२ से ता. ५ को रात्रि ९/२१ तक फिर मघा के ता. ६ को रात्रि १२/०३ तक। ज्येष्ठा के ता. १४ को प्रातः ८/१२ से ता. १५ को प्रातः ७/३२ तक। रेवती के ता. २२ के दिन ३/३१ से ता. २३ को दिन २/०७ तक फिर अश्विनी के ता. २४ को दिन १/२१ तक। ता. ३१ को अश्लेषा के रा.अं. १/५६ मूल प्रारम्भ होंगे।

भद्रा

ता.२ को ८/५८ रात्रि से ता.३ को ९/५२ दिन तक। ता.६ को ४/०६ दिन से ४/५८ रात्रि अंत तक। ता.१० को ८/०८ दिन से ८/१८ रात्रि तक। ता.१३ को ६/१५ शाम से ५/४३ रात्रि अंत तक। ता.१६ को ११/४० रात्रि से ता.१७ को १०/३१ दिन तक। ता.१९ को ३/२२ रात्रि से ता.२० को २/१६ दिन तक। ता.२५ को ७/०१ प्रातः से ६/४८ शाम तक। ता.२८ को ८/३३ रात्रि से ता.२९ को ९/१९ दिन तक भद्रा रहेगी।

जैन पर्व

दिगम्बर जैन पर्व - ता.७ अष्टान्हिका व्रत पूर्ण। ता.८ षोडषकारण व्रत आरम्भ। ता.११ भ. पार्श्वनाथ ज्ञान, ता.१५ मुनिश्री क्षमा सागर समाधि, ता.१६ भ. ऋषभदेव जयंती, भ. आदिनाथ जन्म, तप। ता.२२ से २५ लब्धिविधान व्रत। ता.२६ से ३० पुष्पांजली व्रत। ता.२७ भ. सम्भवनाथ मोक्ष, रोहिणी व्रत, दशलक्षण व्रत आरंभ। श्वेताम्बर जैन पर्व- ता.६ चातुर्मासिक पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता.१५ वर्णीतप प्रारम्भ, भगवान आदिनाथ दीक्षा कल्याण। ता.२० पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता.२१ चंद्रवर्ष पूर्ण। ता.२६ नवपद ओली प्रारम्भ।

पुष्य नक्षत्र : ता. ३ को ३/४३ दिन से ता.४ को ६/४२ शाम तक। ता. ३० को १०/५८ रात्रि से ता.३१ को १/५६ रात्रि अंत तक।

द्विपुष्कर योग : ता.१८ को १०/०७ रात्रि से ५/४५ रा.अं. तक। ता.२८ को सूर्योदय से ७/०८ रात्रि तक।
व्यतिपात योग : ता. १५ को ९/५० दिन से ता. १६ को ७/०० प्रातः तक

कभी बहस न करें। सिर्फ परिणाम देने पर अपना ध्यान केन्द्रित करें।

19 मार्च को अमित शाह, 2 मार्च को गिरिराज किशोर आयेंगे

छिंदवाड़ा । केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह 19 मार्च को छिंदवाड़ा आ रहे है, वे जनजाति सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके पहले केन्द्रीय मंत्री गिरिराज किशोर 2 मार्च को छिंदवाड़ा आ रहे हैं, वे 5 मार्च तक ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

स्कूल के पास तम्बाकू बेचने, पांच दुकानों पर जुर्माना

छिंदवाड़ा । अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अतुल सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिक निगम एवं पुलिस विभाग ने तम्बाकू का व्यापार करने वालों पर कार्यवाही की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी सी चौरसिया ने बताया कि इसके अंतर्गत कोटपा (तंबाकू नियंत्रण) अधिनियम की धारा 6 ब, जिसमें समस्त शैक्षणिक संस्थाओं, महाविद्यालयों के 100 गज की दूरी तक तम्बाकू उत्पादों को बेचने पर प्रतिबंध है। इसके तहत 5 दुकानदारों पर जुर्माने की कार्यवाही की है। यह कार्यवाही हाई स्कूल लोनिया करबल परासिया रोड एवं केंद्रीय विद्यालय धरमटेकडी के समीप की गई। इन दुकारदारों को लाइसेंस के अनुरूप सामान बेचने तथा भविष्य में तंबाकू का विक्रय नहीं करने की हिदायद दी गई। इन दुकानदारों पर 1000 /- रुपए का जुर्माना किया गया। इस कार्यवाही में जिला नोडल अधिकारी डॉ राहुल श्रीवास्तव, जिला मीडिया अधिकारी डॉ प्रमोद वासनिक, नगर पालिक निगम से ट्रेड लाइसेंस प्रभारी ऋषभ स्थापक, अब्दुल माजिद अंसारी, शाहरुख खान, पुलिस विभाग से एएसआई राधेश्याम मुड़िया, आरक्षक सुनील परते एवं ब्रजेश पाल उपस्थित रह।

3 मार्च को नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं स्वास्थ्य शिविर

छिंदवाड़ा । सामाजिक संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के तत्वधान में आगामी 3 मार्च को भायदे कॉलोनी अग्निहोत्री भवन संकल्प पब्लिक स्कूल में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रात: 10-30 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जा रहा है उक्त आयोजन के लिए आज कार्यक्रम स्थल पर बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अपने अपने विचार एवं कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने हेतु दिए शिविर में आंखों की जांच एवं चिन्हित मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन लायंस नेत्र चिकित्सालय परासिया में किया जाएगा सभी मरीजों से आग्रह है कि अपने साथ वोटर आईडी आधार कार्ड की फोटो कॉपी लेकर आएं मोतियाबिंद के मरीजों को काला चश्मा भोजन रहने की निशुल्क व्यवस्था होगी सर्जरी के चुने हुए मरीजों को निशुल्क परिवहन एंबुलेंस की सुविधा भी होगी स्वास्थ्य शिविर के लिए वरिष्ठ दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. हितेश मिश्रा,आयुर्वेदाचार्य डॉ. पवन नेमा, कंसलटेंट फिजिशियन डॉ. चित्रलेखा ठाकुर अपनी निशुल्क सेवाएं प्रदान करेगी संस्था की ओर से निशुल्क दवाइयां भी जरूरतमंद मरीजों को प्रदान की जाएगी।

अन्तर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के अन्तर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

छिंदवाड़ा)। राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिन्दवाड़ा की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अस्मिता मुंजे के मार्गदर्शन में आज दिनांक 28.02.2023 को गृह विज्ञान संकाय द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के तारतम्य दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन किया गया।कार्यशाला में डॉ. अस्मिता मुंजे के द्वारा अनेक प्रकार के पारम्पारिक मोटे आनाजों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में छात्राओं को ग्यासवती भारती के द्वारा अनेक प्रकार के पारम्पारिक पोष्टिक व्यंजन बनाना सिखाया गया। आयोजन गृह विज्ञान संकाय अध्यक्ष डॉ. अर्चना मैथ्यू के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान संकाय की सहायक प्राध्यापक संध्या गजभीये द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन प्रो. रिंकी भाबर गृह विज्ञान द्वारा किया गया।

कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने उठाये प्रश्न

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चौरई सहित अनुषांगिक संगठनों ने किया प्रदर्शन

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश के विकास और सुचारू कानून व्यवस्था का दंभ भरने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनके सरकारी तंत्र की पोल दिन प्रतिदिन खुल रही है। भाजपा नेताओं के दबाव में पुलिस भाजपा की विकास यात्रा और उनके नेताओं की आवभगत में जुटी है। पुलिस ने अपने मूल कर्तव्यों को भूल चुकी है जिसका परिणाम यह निकल रहा है कि संस्कारधानी छिन्दवाड़ा जिले में महिला उत्पीडन का दाग लग चुका है, क्योंकि जिले के समस्त थानों और चौकियों की पुलिस अपनी नैतिक जिम्मेदारियों से इतर भाजपा के नेताओं के इशारों पर कार्य कर रही है। आये दिन जिले में नाबालिग से दुराचार, अपहरण, छेड़छाड़, लूटपाट व चोरी की वारदातें हो रही है। अपराधियों पर कार्यवाही करने के बजाये पुलिस पीड़ित पक्ष को ही थानों के चक्कर लगवा रही, अपराध दर्ज भी कर लिया तो आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु कोई प्रयास नहीं किये जा रहे हैं।भाजपा के राज में चौपट हुई कानून व्यवस्था, नाबालिग के साथ हो रहे कृत्य और पुलिस की भ्रष्ट कार्यप्रणाली के खिलाफ आज चौरई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सहित कांग्रेस के समस्त अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण चौरई की चमन घाटी में एकत्रित हुये, जिसके उपरांत पैदल मार्च करते हुये चौरई पुलिस थाना के सामने धरना प्रदर्शन कर प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की युवा विरोधी, महिला विरोधी व किसान सहित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुये दुराचार पीड़ित नाबालिग बेटियों के लिये न्याय व आरोपियों पर कठोर कार्यवाही के लिये मांग की। कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस को चेतावनी दी है कि जल्द ही

कानून व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो निकट भविष्य में और बड़ा जन आंदोलन किया जावेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी साथ ही भाजपा के नेताओं के दबाव व इशारों पर काम नहीं करने की सलाह भी दी है।

पीड़िता की चौरई पुलिस थाना में नहीं हुई सुनवाई

चौरई थाना क्षेत्र के एक ग्राम में निवासरत युवती का पांच फरवरी को दरिंदों ने अपहरण कर लिया और उसके साथ दुराचार जैसा जघन्य अपराध को घटित किया गया। पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर अपने घर पहुंची तो उसने सम्पूर्ण घटनाक्रम को विस्तार पूर्वक अपने माता-पिता से बताया जिसके उपरांत वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ चौरई पुलिस थाना पहुंची और घटित हुये अपराध के सम्बंध में पुलिस थाना प्रभारी को जानकारी दी, लिखित आवेदन भी प्रस्तुत किया किन्तु पुलिस ने पीड़िता का आवेदन लेने से इनकार कर दिया और पीड़िता के साथ ही उसके अभिभावक व पालकों के साथ अभद्रता की। इसके अलावा दो माह पूर्व चौरई थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम घोघरी में निवासरत श्रीमती सविता यादव का शव अपने ही घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला था जिसका अपराध भी चौरई पुलिस थाना में पंजीबद्ध है किन्तु इस प्रकरण में भी अभी तक पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है ना ही आरोपियों को पकड़ा गया है।

पांच सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

चौरई विधायक सुजीत चौधरी व जिला पंचायत सदस्य तीरथ सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आज पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन महामहिम राज्यपाल के नाम स्थानीय सक्षम अधिकारी को सौंपते हुये अवगत कराया कि चौरई थाना प्रभारी द्वारा अपहरण, बलात्कार, चोरी, हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर कार्यवाही ना करते हुए दोषियों को संरक्षण दिया जा रहा है जो न्यायोचित नहीं है। प्रदेश व छिन्दवाड़ा जिले में बिगड़ी कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों पर ध्यानाकर्षण कराते हुये अविलम्ब कार्रवाई किये जाने की मांग की है साथ ही विधायक सुजीत चौधरी ने पुलिस को चेतावनी दी है कि अगर पुलिस के द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो चौरई सहित सम्पूर्ण जिले में उग्र आंदोलन किया जावेगा ।

रंगीनखापा पहुँची विकास यात्रा 1करोड़ के हुए भूमिपूजन

छिंदवाड़ा । विकासखंड में विकास यात्रा के अंतिम दिन यात्रा आज ग्राम पखड़िया, रंगीनखापा, खुटिया,नवेगांव और जम्होड़ी पंडा पहुंची।यात्रा में विकास हेतु लगभग एक करोड़ की राशि के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास एक कीर्तिमान स्थापित किए हैं।बिजली का उत्पादन 2900 मेगावाट से बढ़कर 25000 मेगा वाट हो गया है। सिंचाई का रकबा 20000 हेक्टर से बढ़कर 325000 हेक्टेयर हो गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों के मकान का सपना पूरा हुआ है स्वच्छ भारत में हमने शौचालयों के निर्माण कराए है ।बेटियों के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रारंभ की है। लाडली बहना योजना में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आगामी 15 मार्च से फॉर्म भरे जाएंगे एवं जून माह से बहनों को 1000 रुपये प्रतिमाह दिया जाएंगे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव,किसान मोर्चा अध्यक्ष संजय पटेल, रूप सिंह पटेल, रामकरण धुर्वे, रामपाल, हीरालाल पाटिल उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों ने लाइट बंद होने के चलते मुख्य मार्ग में किया प्रदर्शन

ग्रामीणों ने नहीं पटाया लाखों रुपए का बिजली का बिल, समझाइश के बाद चुकता किया गया बिजली का बिल चालू की गई लाइट

अमरवाड़ा । नगर के समीपस्थ ग्राम करवडोल में स्कूली बच्चों ने एक गांव में 5 दिनों से लाइट बंद होने की समस्याओं से परेशान होकर छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग एनएच 547 मैं चक्का जाम कर जमकर प्रदर्शन किया प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूली बच्चों ने बताया कि 1 मार्च से 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ होने वाली हैं स्कूल में परीक्षाओं का दौर भी शुरू हो गया है लेकिन हमारे गांव की विगत 5 दिनों से लाइट बंद होने की वजह से हम रात्रि में पढ़ाई नहीं कर पाते हैं जिसकी वजह से हमें काफी दिक्कत हो रही है कई बार बिजली विभाग में जाकर शिकायत की गई लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया इसलिए आक्रोशित स्कूली छात्र छात्राओं ने छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग मैं बैठकर जमकर प्रदर्शन किया इस दौरान रोड के दोनों साइड वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई वही प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही तहसीलदार छवि पंथ नगर निरीक्षक मोहन मर्सकोले और बिजली विभाग के कार्यपालन अभियंता योगेश उईके, कनिष्ठ अभियंता सहित अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर आक्रोशित स्कूली बच्चों को समझाइश दी और आश्वस्त कराया कि जल्द ही उनके क्षेत्र की लाइट प्रारंभ करा दी जाएगी। इस मामले में जब बिजली विभाग से चर्चा की गई तो बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा काफी लंबे समय से बिजली का बिल घर और खेत का चुकता नहीं किया गया है जिसकी वजह से लाखों रुपए की राशि ग्रामीणों से लेनी है इसलिए गांव की लाइट बंद कर दी गई है वही प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा ग्रामीणों को समझाइश दी गई और उनसे बिजली का बिल चुकता करने की बात कही इस मौके पर क्षेत्र के किसानों के द्वारा भी बिजली का बिल चुकता किया गया है गांव के पंचायत भवन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित हुई जिसमें समन्वय बनाकर निर्णय लिया गया और ग्रामीणों से अपील की गई कि आप सभी बिजली का बिल चुकता करें ताकि आपके क्षेत्र की लाइट प्रारंभ हो सके और आपके स्कूली बच्चों को पढ़ाई में दिक्कत ना हो।

गोवंश तस्करी करते पकड़ी टवेरा वाहन, ठूस ठूस कर भरकर लेजाया जा रहा था कत्लखाने

सौसर । क्षेत्र में गो वंश तस्करी बढ़ती जा रही है लेकिन प्रशासन के लाख कोशिशों के बावजूद भी थमने का नाम नहीं ले रही तस्करी ऐसे में पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए छोटे-छोटे सवारी वाहनों मैं ठूस ठूस कर भरकर गोवंश को कत्लखाने तक भेजा जा रहा है लेकिन प्रतिदिन कार्यवाही से बचने लुपा छुपी के खेल में आखरी कार लोधीखेडा पुलिस ने धर दबोचा, इस दौरान जानकारी में लोधीखेड़ा थाना प्रभारी दीपक डहेरिया ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक टवेरा वाहन में गोवंश भरकर तस्करी की जा रही है ऐसे में तत्काल पुलिस स्टॉफ के साथ मिलकर घेरा बंधी की गई घंटो देर के इंतजार के बाद आखिर खैरीतायगांव में मामा ढाबा के सामने छिन्दवाडा नागपुर एनएच मार्ग पर वाहन को पकड़ लिया लेकिन आरोपी पुलिस को देखकर भागने में कमियांब रहे वही लोधीखेड़ा पुलिस ने 7 लाख कीमती जप्ती मसरुका टवेरा क्रमांक ह्क्र 13 त्त 8228 वाहन से 06 नग गाय को सुरक्षित निकाल बोरगांव की गोशाला में रखा गया इस दौरान पुलिस ने टवेरा वाहन क्रमांक ह्क्र 13त्त8228 का अज्ञात चालक और वाहन मालिक के खिलाफ अपराध क्र.- 73/22 धारा - 4,6,9 म.प्र. गौवंश वध प्रति अधि., 11 घ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम एवं 66/192 मो. व्ही एक्ट 100 (2) /177 केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया लोधीखेड़ा थाना प्रभारी उनि दीपक डेहरिया, सउनि शेख आजाद, आर 810 शुभम बघेल, आर. 444 - विपिन सरेठा, डायल 100 वाहन के पायलेट परसराम साहू, दिलीप की वाहन पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलीस को जब जब सूचना मिलती है निश्चित ही वैधानिक कार्यवाही की जा रही है टवेरा वाहन की सूचना पर घेरा बंधी कर पकड़ा गया वर्तमान में वाहन मालिक और अज्ञात के आरोपियों खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया आगे जांच जारी है।

दीपक डहेरिया
थाना प्रभारी लोधिखेड़ा

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी का विरोध, सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । आम आदमी पार्टी जिला इकाई छिंदवाड़ा द्वारा आज राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि दिल्ली प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को संपूर्ण देश एवं प्रदेश में उच्च स्तर पर ले जाने वाले नेता मनीष सिसोदिया को केन्द्र सरकार के इशारे पर सी.बी.आई. द्वारा शराब घोटाले का अनर्गल आरोप लगाकर गिरफ्तारी कर उन्हे जेल भिजवा दिया है, केन्द्र सरकार के दबाव में सी.बी.आई. द्वारा की गई इस कार्यवाही की घोर निन्दा की और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया कि एक ओर तो अडानी, अंबानी परिवार देश में अरबों का घोटाला कर आम आदमी के पैसों को डुबा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर झूठा आरोप लगाकर उन्हे जबरन जेल भिजवाया जा रहा है, इससे केन्द्र सरकार की नियत पर प्रश्न चिन्ह लगता है । आम आदमी पार्टी जिला इकाई छिंदवाड़ा ने दिल्ली प्रदेश के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर लगाये गये आरोप वापस लिये जावें और उनकी तत्काल रिहाई करवायी जावे अन्यथा पार्टी संपूर्ण जिले एवं प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी समस्त जबावदारी शासन-प्रशासन की होगी।

महिला आरक्षण होता है तो कई दावेदारो की टिकट खतरे में पड़ सकती है ?

भाजपा की कान्ता सदारंग, प्रीति बिसेन एवं कान्ता ठाकुर दावेदार है

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा । कांग्रेस एवं भाजपा दोनों ही पार्टियों की महिलाओं ने विधानसभा एवं लोकसभा में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात की है। राजनैतिक पार्टियां यदि इस फार्मुले पर करती है तो भविष्य में जिले की 7 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं की टिकट की भी दावेदारी होगी। जिले अभी 7 विधानसभा सीटे है, जिसमें 3 सामान्य, 3 आदिवासी एवं एक अनुसूचित जाति की सीटें हैं। सभी सीटों में कांग्रेस के विधायक है कांग्रेस और भाजपा आरक्षण के फार्मूले पर कार्य करती है तो निश्चित ही दो महिलाओं को जिले से टिकट मिलना चाहिये। पूर्व में जिले से कांग्रेस से लम्बे समय तक विद्यावति मेहता विधायक रही है, उसके बाद कमलनाथ के कार्यकाल में कमलेश्वरी शुक्ला विधायक रही है भाजपा से श्रीमती कमला वाडिवा दमुआ से विधायक रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में दोनों ही पार्टियों में महिलायें विधायक पद के दावेदार नहीं है, भाजपा से सिर्फ परासिया से ज्योति डेहरिया ही सक्रिय है जो पिछले विधानसभा में अपना दावा कर चुकी हैं। इसके अलावा प्रदेश कार्यसमिति की सदस्य भाजपा की प्रीति बिसेन ने मांग की है कि 50 प्रतिशत महिलाओं को विधानसभा में टिकट दिया जावे। दोनों ही पार्टियों में महिलायें ज्यादा सक्रिय नहीं है, किन्तु जिला पंचायत, जनपद पंचायत एवं सरपंच एवं पार्षदों में महिलाओं की संख्या 50 प्रतिशत है।

भाजपा से श्रीमती कान्ता सदारंग एवं जिला पंचायत की श्रीमती कान्ता ठाकुर महापौर एवं जिला अध्यक्ष रही है, यदि छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र महिला घोषित होती है तो श्रीमती कान्ता सदारंग दावेदार हो सकती है। वे कुनबी समाज की है और नगर का एक क्षेत्र कुनबी बाहुल है, श्रीमती कान्ता ठाकुर आदिवासी समाज की है एवं जुन्नारदेव विधानसभा से दावेदारी करने लगातार सक्रिय रहती है। नगर पालिका की पूर्व पार्षद भी भाजपा की उभरती नेता है वे छिंदवाड़ा विधानसभा से भाजपा से अपना दावा ठोक सकती हैं।

कांग्रेस को भी महिलाओं की तलाश करना पड़ेगा, कांग्रेस में टिकट देने का कार्य कमलनाथ को करना है, वहीं भाजपा संगठन करेगा, कमलनाथ का टिकट देने का आधार सर्वे होता है।

भाजपा में गुटबाजी इतनी है कि संगठन बिखर गया है, पुराने भाजपाईयों को कोई पूछ नहीं रहा है, वे घर पर बैठे है, भाजपा के केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय नेता आते है कि वे गुटबाजी खत्म करने कोई कदम नही उठाते वे सिर्फ मोदी के भरोसे है, महिला आरक्षण होता है तो कई नेताओं की दावेदारी खतरे में पड़ जावेगी।

पेंच कन्हान सीटू युनियन सभी खदानों में लेगी गेट मीटिंग

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र में कार्यरत लाल झंडा कोल माईस मजदूर यूनियन सीटू कन्हान पेंच क्षेत्र कि केंद्रीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं कि बैठक शहीद भवन गुढी अंबाडा में की गई। जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए कोयला उद्योग के कामगारों का ग्यारहवां वेतन समझौता एक जुलाई दो हजार इक्कीस से लागू होना था लेकिन केंद्र सरकार और कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा ग्यारहवां वेतन समझौता उन्नीस प्रतिशत एमजीबी पर बात तय होने के पश्चात् अड़ियल रवैया के चलते वेतन समझौता लागू करने में देरी की जा रही हैं। जिससे कामगारों के बीच काफी रोष उत्पन्न हो रहा है।साथ ही केंद्र सरकार देश में मजदूरों ,किसानों के लिए नये - नये कोड बिल और काले कानूनों लागू कर रही हैं। देश में मंहगाई, बेरोजगारी,चरम पर है, पड़ोसी देशों की पूरी समस्याएं जनता को बता रही हैं। जनता को गुमराह करने और उसी की आड़ में देश की धरोहर और सार्वजनिक क्षेत्रों को बेचने में लगी हुई हैं। वर्तमान सरकार वाकई में बहुमूल्य खनिज संपदा कौड़ियों के मोल अपने खास मित्रों को सौंप कर देश विरोधी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त होते जा रही हैं।

कार्यवाही के अभाव में ग्राम पंचायतों में नहीं है अधिकारियों का खौफ

राफा ग्राम पंचायत में 15 लाख रुपए का हुआ बंदरबांट

अमरवाड़ा । जनपद पंचायत अमरवाड़ा के ग्राम पंचायत राफा में विगत वर्ष में खुलेआम भ्रष्टाचार हुआ है और इस पर अधिकारी भी अपनी मौन दृष्टि बनाए हुए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पंचायत कर्मियों को अधिकारियों का कोई डर नहीं है। बेहिचक निर्माण कार्यों में लापरवाही और अनियमितता बरतते हुए शासकीय पैसों का आहरण कर लिया जाता है। राफा पंचायत के सारसडोल ग्राम के जंगल में एनआरजीएस योजना अंतर्गत सन 2020 से शुरू हुए लगभग 15 लाख रुपए की लागत के निस्तारि तालाब निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है। यह तालाब का निर्माण खेती सहित अन्य कार्यों के लिए किया गया है परंतु अक्टूबर और नवंबर माह में ही यहां पर पक्षियों को भी पीने के लिए पानी नहीं था। तत्कालीन पंचायत सचिव,इंजीनियर और सहायक यंत्री द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही बरतते हुए सिर्फ और सिर्फ राशि हजम करने का कार्य किया गया। जिसका परिणाम आज सर्वविदित है। कार्य पूर्णता का उल्लेख तक बोर्ड में नहीं किया गया। सारसडोल ग्राम में बने इस तालाब का ना तो कोई ग्रामीण उपयोग कर रहे हैं और ना ही कोई जंगली जीव जंतु। इस तालाब में तकनीकी खामियां भी इतनी है कि एक आम आदमी भी कमियां गिना दे। पडल की खुदाई किए बिना एवं ब्लैक स्वेल भरे बिना बंड का निर्माण करा दिया गया। जबकि लापरवाही और अनियमित तरीके से बेस्ट बियर का निर्माण कराया गया। आपको बता दें कि बंड की पिचिंग भी तकनीकी मापदंड अनुसार नहीं कराई गई। जिसके कारण बंड में स्क्रैच आने से पानी का भराव ही नहीं हो पाया। वही जल ग्रहण क्षेत्र नहीं होने के चलते इस तालाब की क्या हालत है देखा जा सकता है। तकनीकी अधिकारी होने के बावजूद इतनी सारी खामियां निर्माण कार्यों में होना समझ से परे है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक चरम पर है। हालांकि यह निर्माण कार्य ही नहीं इस पंचायत के अंतर्गत आने वाले अलग-अलग ग्रामों में भी यही खस्ता हालत है।

इनका कहना

सक्षम तकनीकी अधिकारियों से उक्त स्थल का निरीक्षण कराते हैं। लापरवाही मिलने पर तकनीकी अधिकारियों सहित पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जाएगा।

पेंशनर्स एसोसिएशन की 7 सूत्री मांग, हड़ताल, धरना, रैली,

छिंदवाड़ा । पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा छिंदवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं प्रांतीय अध्यक्ष के.एस. सेंगर ने बताया कि इंदिरा प्रियदर्शिनी पार्क गुरैया रोड, छिंदवाड़ा पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा अपनी जायज मांगों को लेकर पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश भोपाल रजिस्टेशन नंबर 22231/89 जिसके प्रांतीय अध्यक्ष एड.राजकुमार दुबे ,जबलपुर एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष डी.बी.नायर के मार्गदर्शन में म.प्र. के विभिन्न जिलों में लगातार पेंशनर्स की मांगों के संबंध में धरना प्रदर्शन, भूख हड़ताल कर रैली निकालकर एवं ज्ञापन जिला कलेक्टर छिंदवाड़ा के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री म.प्र.सरकार के नाम सौंपा गया है और उन्हे अवगत कराया है म.प्र.सरकार काफी लंबे समय से मांगों के प्रति उदासीनता का रवैया अपनाकर चिरनिंद्रा में आत्ममुग्ध होकर कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रही है, जिसका दुष्परिणाम ,वरिष्ठ नागरिकों की नाराजगी आने वाले समय में परिलक्षित होना निश्चित है।

मुख्य मांगे निम्नानुसार है-

1. म.प्र./छत्तीसगढ़ राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को गलत परिभाषित कर मंहगाई भत्ता देने में दोनों राज्य की सहमति को अनिवार्य किया गया है ,जिससे पेंशनर्स को मिलने वाला मंहगाई भत्ता देर से प्राप्त हो रहा है । वर्तमान में कार्यरत कर्मचारी/अधिकारी को म.प्र. में माह जनवरी 2023 से 5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गयी है जिससे कुल योग मंहगाई भत्ता 38 प्रतिशत हो गया है जबकि पेंशनर्स के लिये छत्तीसगढ़ सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है वर्तमान में पेंशनरों को 33 प्रतिशत ही मंहगाई भत्ता प्राप्त हो रहा हैं। संयुक्त सचिव गृह विभाग भारत सरकार नई दिल्ली (फाईल नंबर 17025/02/2017 शाखा का पत्र दिनांक 13/11/2017) के द्वारा समस्त सचिवों को निर्देशित कर एक दूसरे राज्यों की परस्पर सहमति की आवश्यकता नहीं है। इस आदेश को शीघ्र लागू करने के आदेश जारी कर पेंशनरों को राहत दी जाये। 2. पेंशनर्स की पेंशन राशि या जमा पेंशन राशि 10 लाख तक है उस पर आयकर काटा जा रहा है जबकि पेंशनर्स में अपने सेवाकाल में ही वेतन से आयकर (टी.डी.एस.) काट लिया जाता है। सेवानिवृत्ति होने पर समस्त देयक से प्राप्त होने वाली राशि बैंकों में जमा कर भविष्य में बच्चों के शादी विवाह गंभीर बीमारियों, तीर्थ यात्रा आदि के लिये संजोकर रखता है परंतु शासन की बुरी नजर इस पर भी पड़ गयी है इसमें राहत दी जावें। 3. कोविड -19 के दौरान सीनियर सिटीजन को रेल किराये में जो छूट मिलती थी उसे पुन: लागू किया जावे। 4. पेंशनर्स को 80 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भुगतान का प्रावधान है इसे 65,70,75,80 वर्षो की आयु में 5-5 प्रतिशत प्रत्येक पांच वर्ष में बढ़ाकर 80 वर्ष की आयु में 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन हो जावेंगी इसकी अनुशंसा संसदीय समिति द्वारा भी की गयी है। इसे भी लागू किया जायें। 5. केन्द्र के द्वारा अपने पेंशनर्स कर्मचारी अधिकारियों को दिये जाने वाला मंहगाई भत्ता राज्य के पेंशनर्स को भी उसी दिनांक से बिना कम किये प्रदाय किया जाये। 6. पेंशनर्स को भी आयुष्मान योजना या पेंशनर्स बीमा योजना से जोड़कर वृद्धावस्था में होने वाली तरह - तरह की गंभीर बीमारियों के ईलाज हेतु इन योजनाओं को लागू कर लाभ दिलाया जावें। 7. पेंशनर्स का छटवें वेतनमान का 32 माह एरियर्स एवं सातवें वेतनमान का 27 माह का मंहगाई भत्ते का एरियर्स का भुगतान लंबित है। 32 माह एरियर्स के लिये माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर ने शासन को आदेशित किया था परंतु शासन द्वारा हीला हवाला करके देने से इंकार कर दिया है। इसलिये इन दोनों वेतनमान का एरियर्स का भुगतान भी शीघ्र किया जावें।

विजेता बने चंदप्रकाश, पवन, रोहित और ऋतिक

पीजी कॉलेज के करियर गाइडेंस सेल ने किया ओएमआर आधारित सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन

छिंदवाड़ा । शासकीय स्वशासी पीजी महाविद्यालय छिंदवाड़ा के स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन सेल द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए करेंट अफेयर्स और सामान्य ज्ञान आधारित परीक्षा का आयोजन किया गया । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ पी आर चंदेलकर के मार्गदर्शन में आयोजित इस परीक्षा के बारे में जानकारी देते हुए स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन योजना के प्रभारी और संभागीय नोडल अधिकारी डॉ पी एन सनेसर ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग निरंतर विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए प्रयासरत है इसी क्रम में महाविद्यालय द्वारा ओएमआर आधारित परीक्षा का नवाचार प्रारंभ किया गया जिनसे प्रथम टेस्ट के लिए 281 विद्यार्थियो ने पंजीयन कराया और 117 विद्यार्थी शामिल हुए । इस अवसर पर प्राचार्य डॉ चंदेलकर ने विद्यार्थियों से कहा की प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने से करेंट अफेयर्स की तैयारी होती है वही इस प्रकार के टेस्ट का आयोजन ये परखने में मदद करता है की आपकी तैयारी कैसी है । जिला नोडल अधिकारी डॉ जगमोहन पुषाम ने कहा की विद्यार्थी नियमित रूप से करियर गाइडेंस सेल आके पत्र पत्रिकाओं का अध्ययन करें ताकि उन्हें आगामी परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त हो । सहायक प्लेसमेंट अधिकारी डॉ टीकमणि पटवारी ने कहा की इस वर्ष एम पी पी एस सी सहित विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में सफल होने के लिए ये टेस्ट बहुत उपयोगी साबित होंगे । आइक्युएसी के संयोजक वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ लक्ष्मीचंद ने कहा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सामान्य ज्ञान आधारित परीक्षा विद्यार्थियों हेतु मददगार साबित होगी वहीं डॉ आर के मिश्रा ने कहा की अब युग नई तकनीक का है जिसमे करियर के प्रति जागरूक विद्यार्थी स्वयं को अपडेट जरूर करे । डॉ निधि डोडानी ने कहा की लगातार तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए ये परीक्षा बहुत महत्वपूर्ण रही ।

ओएमआर शीट का रहा आकर्षण

विद्यार्थियो के लिए ओएमआर शीट पर परीक्षा देना एक नया अनुभव रहा अनुभव साझा करते हुए एम ए के ललित साहू ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से हमे ये समझ आया की ओएमआर शीट भरते समय किन किन बातों का ध्यान रखना है और सावधानी से इसे भरना है । वहीं दीपशिखा साहू ने इसे एक यादगार अनुभव बताया की हमे अपने कॉलेज में पढ़ाई के साथ साथ प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियो में भी मदद मिल रही है ।

परीक्षा के तुरंत बाद परिणाम की घोषणा

सामान्य ज्ञान परीक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि रही परीक्षा समापन के एक घंटे में परिणाम की घोषणा जिससे विद्यार्थी बहुत खुश हुए विजेताओं को प्राचार्य डॉ चंदेलकर ने मैडल देकर सम्मानित किया ।

ये रहे विजेता

प्रथम स्थान- चंद्रप्रकाश धुर्वे एम ए , द्वितीय स्थान- पवन देशमुख ,तृतीय स्थान- रोहित मिनोते और ऋतिक सोनी ।

बजट पेश करने सदन में जाने से पहले वित्त मुंत्री जगदीश देवड़ा भगवान का आशिर्वाद लेने के बाद अपनी धर्म पत्नि से तिलक लगवाया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज विधानसभा (कैलाश) समिति कक्ष क्रमांक 1 में मंत्री परिषद की बैठक वंदे मातरम गान के साथ आरंभ हुई।

शहर के 103 केंद्रों पर दसवीं की परीक्षा शुरू

शहर के 103 केंद्रों पर दसवीं की परीक्षा शुरू हो गई गई है। जिसमें केंद्रों में प्रवेश के दौरान चैकिंग करते शिक्षक एवं अधिकारी।

'मुख्यमंत्री श्री चौहान को प्राकृतिक कृषि पर केंद्रित पुस्तक की गई भेंट'

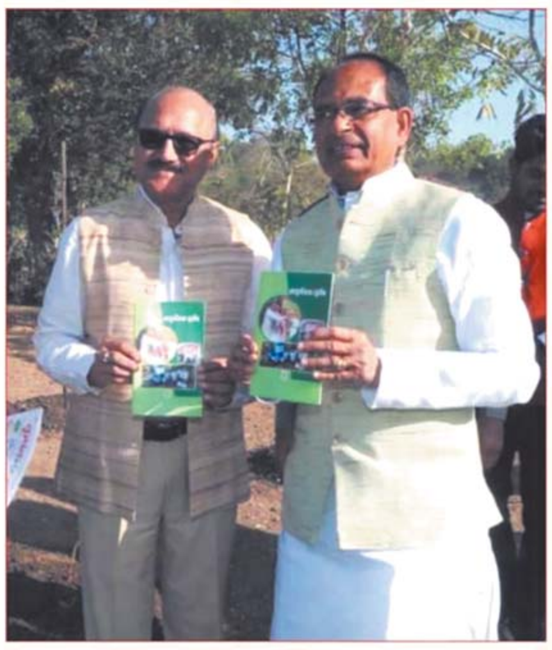

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को सुनील गंगराड़े संपादक कृषक जगत समूह द्वारा प्राकृतिक खेती पर प्रकाशित पुस्तक भेंट की गई। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक पद्मश्री सुभाष पालेकर द्वारा लिखित पुस्तक में प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में दीर्घ अनुभव रखने वाले गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के विचारों को भी सम्मिलित किया गया है।

मप्र में 3 मार्च से तेज गर्मी

आसमान साफ रहने से चुभन वाली धूप, चढ़ेगा पारा

भोपाल। अबकी बार मार्च का महीना खूब तपेगा। 3 मार्च से तेज गर्मी शुरू हो जाएगी। 15 दिनों में ही पारे में 3 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी होगी, जबकि इसके बाद पारा 40 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आसमान साफ रहने से चुभन वाली धूप रहेगी। इससे गर्मी का पारा भी चढ़ेगा। लू भी चलेगी।

पिछले साल के मुकाबले इस साल फरवरी में मौसम का मिजाज बदला सा रहा। आमतौर पर फरवरी में हल्की ठंड रहती है, लेकिन इस बार 10 फरवरी के बाद से ही गर्मी की शुरुआत हो गई। 28 फरवरी तक कई शहरों में दिन का पारा 37 डिग्री के पार पहुंच गया, जबकि रात में 20 डिग्री के आंकड़ा छू गया।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि उत्तर में पश्चिमी विक्षोप एक्टिव है। 3 मार्च तक यह एक्टिव रहेगा। इसके बाद आसमान साफ होने से तापमान में इजाफा होगा। पहले पखवाड़े तक अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 38 से 39 डिग्री तक पहुंच जाएगा। वहीं, 16 मार्च से तापमान 40-42 डिग्री से ज्यादा रहेगा। वहीं, मार्च में रात का तापमान 26 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। यानि, पांच से सात डिग्री की बढ़ोतरी होगी। वर्तमान में कई शहरों में रात का तापमान 18 डिग्री तक पहुंच गया है।

दूसरे पखवाड़े में लू जैसी स्थिति- मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मार्च की शुरुआत के साथ ही ठंड की विदाई भी हो जाएगी। इसके बाद पारे में गिरावट नहीं होगी। दूसरे पखवाड़े में लू जैसी स्थिति बनेगी। बुंदेलखंड, बघेलखंड, ग्वालियर समेत भोपाल, इंदौर, उज्जैन संभाग में लू असर दिखाएगी।

3 दिन तक उतार-चढ़ाव- मौसम विभाग की माने तो अगले तीन दिन तक पारे में मामूली उतार-चढ़ाव रहेगा। इसके बाद दिन और रात दोनों में ही तापमान में बढ़ोतरी होगी। इस कारण रात में भी गर्मी का असर बढ़ जाएगा।

दिन में 37 तो रात में 19 डिग्री पार तापमान- वर्तमान में दिन में 37 तो रात में 19 डिग्री के पार तापमान है। दमोह में 37, खंडवा-खरगोन में 36, राजगढ़, खजुराहो में तापमान 35 डिग्री से ज्यादा है। वहीं, नरसिंहपुर की रात सबसे गर्म है। यहां न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया है। सागर, भोपाल, गुना, नर्मदापुरम में रात का तापमान 17 डिग्री के पार चल रहा है।

अंबानी, बच्चन और धर्मेंद्र के घर को बम से उड़ाने की धमकी

नागपुर। पुलिस कंट्रोल को फोन पर एक अज्ञात शख्स ने मुंबई के बड़े नामी लोगों के घर बम धमाका करने की बात कही. सूत्रों ने बताया की कॉलर ने दावा किया कि व्यापारी मुकेश अंबानी के बंगले एंटीलिया में धमाका होगा.

इसके अलावा कॉलर ने कहा कि बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के घर और बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र के घर भी धमाका होगा. इस कॉल के बाद नागपुर पुलिस कंट्रोल ने इस बात की जानकारी मुंबई पुलिस को दी. मुंबई पुलिस कॉलर का पता लगाने में जुटी है.

एंटीलिया को उड़ाने की पहले भी मिल चुकी है धमकी- इससे पहले भी मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया को बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है. अगस्त 2022 में भी मुकेश अंबानी के घर को बम से उड़ाने वाले कॉल आए थे.

एक धमकी से पूरे देश में हड़कंप- इससे भी पहले 25 फरवरी 2021 को ऐसी ही एक धमकी से देशभर में हड़कंप मच गया था. दरअसल दोपहर के समय में एंटीलिया के सुरक्षाकर्मियों की नजर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो कार पर पड़ी. जिसकी सूचना फौरन मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम और स्थानीय थाना पुलिस को दी गई. इसके बाद मुंबई पुलिस की टीम मौके पर जा पहुंची. मुंबई डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते के अलावा एटीएस की टीम को भी बुलाया गया. क्राइम ब्रांच के अधिकारी भी मौके पर आ गए थे.

कार की जांच के लिए बम निरोधक दस्ते ने शुरुआत की. जांच के दौरान गाड़ी के अंदर से जिलेटिन की कई छड़ें मिलीं और साथ ही एसयूवी के अंदर कुछ नंबर प्लेट्स भी मिली. पुलिस के लिए हैरानी और परेशानी की बात ये थी कि गाड़ी के अंदर मिली कुछ नंबर प्लेट्स कारोबारी मुकेश अंबानी की सुरक्षा में तैनात गाड़ियों की नंबर प्लेट से मैच हो रही थीं. इस बात ने मुंबई पुलिस के होश उड़ा दिए. स्कॉर्पियो की ड्राइविंग सीट की बगल वाली सीट पर आईपीएल की टीम मुंबई इंडियन्स की ब्रांडिंग वाला एक बैग भी था. पुलिस इस साजिश के पीछे आतंकी कनेक्शन पर भी छानबीन करने लगी. डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल के आस-पास चप्पा-चप्पा छान मारा. सूबतों और सुरागों की तलाश की जा रही थी.

एंटीलिया विस्फोट पर बनने जा रही वेब सीरीज- इस मामले की लंबे समय तक पूछताछ चली और यह मामला काफी चर्चित हुआ. हाल ही में यह भी खबर सामने आई थी कि एंटीलिया के बाहर दो साल पहले मिली विस्फोटक से लदी स्कॉर्पियो कार के मुद्दे पर एक सनसनीखेज और रोमांचक वेब सीरीज बनाई जाएगी. कई मेकर्स इस स्टोरी में दिलचस्पी दिखा रहे हैं.

मुकेश अंबानी और परिवार को जेड प्लस सुरक्षा मुंबई तक सीमित नहीं, पूरे देश और विदेश यात्रा में भी मुहैया कराएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी परिवार को केंद्रीय सुरक्षा कवर देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश पारित किया है. कोर्ट ने कहा कि मुकेश अंबानी और उनके परिवार को दी गईं+ सुरक्षा कवर केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं. अंबानी और उनके परिवार को पूरे भारत में और विदेश यात्रा के दौरान भी '+ सुरक्षा उपलब्ध कराया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसकी लागत अंबानी परिवार द्वारा वहन किया जाएगा.

जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिसअहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि जब मुकेश अंबानी और उनका परिवार भारत के भीतर है, महाराष्ट्र राज्य और गृह मंत्रालय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैं. जब वे विदेश यात्रा कर रहे हों, तो गृह मंत्रालय यह सुनिश्चित करेगा कि उनकी सुरक्षा पुख्ता है या नहीं.

त्रिपुरा हाईकोर्ट के अंतरिम आदेशों को दी गई थी चुनौती- अंबानी को प्रदान किए गए सुरक्षा कवर का मुद्दा देश के विभिन्न हिस्सों में मुकदमेबाजी का विषय है. सुप्रीम कोर्ट ने विवादों को शांत करने के लिए वर्तमान आदेश पारित किया. बेंच ने केंद्र की अर्जी पर ये आदेश जारी किया. इसमें त्रिपुरा हाईकोर्ट के अंतरिम आदेशों को चुनौती दी गई थी.

हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि गृह मंत्रालय के एक अधिकारी को 28 जून, 2022 को सीलबंद लिफाफे में प्रासंगिक फाइलों के साथ पेश होना चाहिए. हालांकि, इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी.

बजट सत्र के बाद सदन से बाहर आते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेन्द्र सिंह एवं नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल।

राहत..! ना आउटर पर रूकेगी ना रास्ते में, सिग्नल के इंतजार में लेट होगी ट्रेन

लखनऊ। अब ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम से रेलवे सुविधाओं को अपग्रेड करने की तैयारी चल रही है, जिससे ट्रेनों की आवाजाही पर असर नहीं पड़ेगा और मुसाफिर समय यात्रा करके स्टेशन पहुंचेंगे.

रेलवे का यह प्रोजेक्ट 1 हजार करोड़ का है. इसके पहले चरण में यह सिग्नल लखनऊ से छपरा के बीच लगेंगे. इसका टेंडर जारी हो गया है जल्द काम शुरू होगा. पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन इस प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ से बाराबंकी होते हुए छपरा रेलवे ट्रैक पर हर 1 किलोमीटर पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नल लगेंगे. इसके अलावा सीतापुर से बुढ़वल के बीच भी यह सिग्नल लगेंगे. 2025 तक पूरे सेक्शन पर सिग्नल लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा. फिलहाल रेलवे ट्रैकों पर एब्सोल्यूट ब्लॉक सिग्नल सिस्टम चल रहा है,

जिसमें एक ब्लॉक सेक्शन में ट्रेन के अगले स्टेशन पर पहुंचने के बाद ही पीछे से आने वाली ट्रेन को ग्रीन सिग्नल दिया जाता है. इस वजह सेऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम में दो स्टेशनों के बीच प्रत्येक 1 किलोमीटर की दूरी पर सिग्नल लगाए जाते हैं. इससे जैसे-जैसे सिग्नल ग्रीन मिलते रहते हैं, पीछे से आने वाली ट्रेन आगे बढ़ती जाती है और ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता है. दूसरी ट्रेनें लेट हो जाती हैं. पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेनों के सुगम संचालन के लिए ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम लगाने की तैयारी है। साल 2025 तक इस सिग्नलिंग सिस्टम को ट्रैक पर लगाने का टारगेट रखा गया है।

नगर निगम ने 170 स्थानों पर कैंप लगाकर वसूला दो करोड़ रुपये राजस्व

भोपाल। राजधानी में चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के समापन में एक माह का समय बचा है। इस बीच निगम द्वारा बकाया 123 करोड़ का राजस्व वसूलने का लक्ष्य रखा गया है। उसके परिणाम भी सामने आने लगे है। सोमवार को लगाए गए सभी 85 वार्ड के 170 कैंप में दो करोड़ से अधिक की संपत्तिकर वसूली हुई है। इससे निगम के कर्मचारी और अधिकारी उत्साहित हैं। इससे पहले शनिवार को जो कैंप लगाया गया था, उसमें शुरुआती दिन 1.67 करोड़ का संपत्तिकर मिला था। लेकिन अब इसमें धीरे-धीरे बढ़ोतरी शुरू हो गई है।

इस संदर्भ में नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि वसूली शिविर लगने के बाद राजस्व में बढ़ोत्तरी हो रही है। हालांकि इस बार सोमवार को आयुक्त केवीएस चौधरी ने किसी वार्ड में भ्रमण भी नहीं किया, लेकिन उन्होंने मुख्यालय में बैठकर पूरी वसूली पर नजर रखी। बता दें जलकार्य विभाग और दुकानों से मिलने वाले किराए और लीज पर भी आयुक्त की नजर बनी हुई है। यही वजह है कि अपर आयुक्त चंद्र प्रताप गोहल भी सख्त हैं।

पूछताछ के बाद एनआईए और मुंबई एटीएस ने सरफराज को छोड़ा, जांच जारी!

नई दिल्ली। सोमवार रात हिरासत में लिए गए संदिग्ध आतंकी सरफराज मेमन से ह्न्ह्व, मुंबई ्ञ्जस् और इंटेलिजेंस की टीम ने शर्त के साथ छोड़ दिया। ह्न्ह्व को मिले एक मेल के बाद सरफराज को पकड़ा गया था। उस पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान में आतंकी प्रशिक्षण का शक जाहिर किया गया था। लेकिन, लंबी पूछताछ के बाद भी फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं होने की जानकारी नहीं मिली। लेकिन, फिर भी वो शंका के घेरे में है। उसके फोन डाटा, ई-मेल और डिलिट वाट्सएप डेटा को रिकवर किया जा रहा है।

2016 से पहले वाले उसके पासपोर्ट की भी जानकारी ली जा रही है। उसके हांगकांग वाले पासपोर्ट में हांगकांग और चीन यात्रा की 15 से ज्यादा एंट्री मिली। लेकिन, उसके पाकिस्तान जाने की पुष्टि होना बाकी है। इंदौर के पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र का कहना है कि सरफराज को फिलहाल छोड़ा जा रहा है। एजेंसी तकनीकी जांच कर रही है। उसके विदेशी दौरों को खंगाला जा रहा है।

चंदन नगर की ग्रीन पार्क कॉलोनी के फातिमा में रहने वाले सरफराज ने हांगकांग और चीन जाना तो कबूला, लेकिन पाकिस्तान जाने से इंकार किया है। लेकिन, पुलिस उसके ई-मेल, वाट्सएप की जांच कर रही है।

जोन-4 एडीसीपी अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक सरफराज का पहला पासपोर्ट 2003 में जारी हुआ था, जब वह पहली बार हांगकांग गया था। 2006 में उसका पासपोर्ट गुम गया। हांगकांग से ही दूतावास के माध्यम से उसने दूसरा पासपोर्ट जारी करवाया। सरफराज 12 साल हांगकांग में रहा है। उसका टूरिस्ट वीजा बना था। पुलिस ने उसके वाट्सएप की जांच की, तो पत्नी और वकील से विवाद की जानकारी मिली। इस बारे में सरफराज का कहना है कि उसकी चीनी पत्नी और वकील ने फंसाने के लिए झूठी जानकारी दी।

सरफराज ने बताया कि वह पांचवीं तक पढ़ा है। उसे कई भाषाओं की जानकारी है। वह चार शादियां कर चुका है। जोन-4 के डीसीपी आरके सिंह के मुताबिक, सरफराज ने बताया कि हांगकांग में वह मोबाइल व्यवसाय के साथ रेस्त्रां में नौकरी करता था। उसने चीनी महिला अकीवांग से शादी कर ली। विवाद होने पर उससे तलाक का केस चल रहा था। फीस को लेकर उसका वकील से विवाद हो गया। सरफराज ने कहा कि वकील ने ही उसे फंसाने के लिए ह्न्ह्व को ईमेल कर दिया। इंटेलिजेंस के मुताबिक, ह्न्ह्व को मिला मेल हांगकांग से ही आया था। जब एनआइए ने सरफराज की लोकेशन निकाली, तो बंबई बाजार की मिली। ह्न्ह्व ने मुंबई ्ञ्जस्व पुलिस को अलर्ट भेजा। फिर मुंबई एटीएस को उसके ग्रीन पार्क कॉलोनी में होने की जानकारी मिली।